ग्लोबल इनसायक्लोपीडिया ऑफ

रामायण

संस्कृति विभाग

उत्तर प्रदेश शासन, लखनऊ

Book 1.indb 1 01/01/2010 9:36:45

भारतीय संविधान की मूल प्रति में सिन्धु सभ्यता, वैदिक सभ्यता के चित्र, रामायण, महाभारत आदि बनाए गये हैं। जिसमें चित्रकार नन्दलाल बोस ने कपडे में बनवासी राम का चित्र बनाया है।

ग्लोबल इनसायक्लोपीडिया ऑफ़

रामायण

(कलाओं के सन्दर्भ में)

'मूर्त एवं अमूर्त विरासत में राम'

Book 1.indb 3 01/01/2010 9:36:47

Book 1.indb 4 01/01/2010 9:36:47

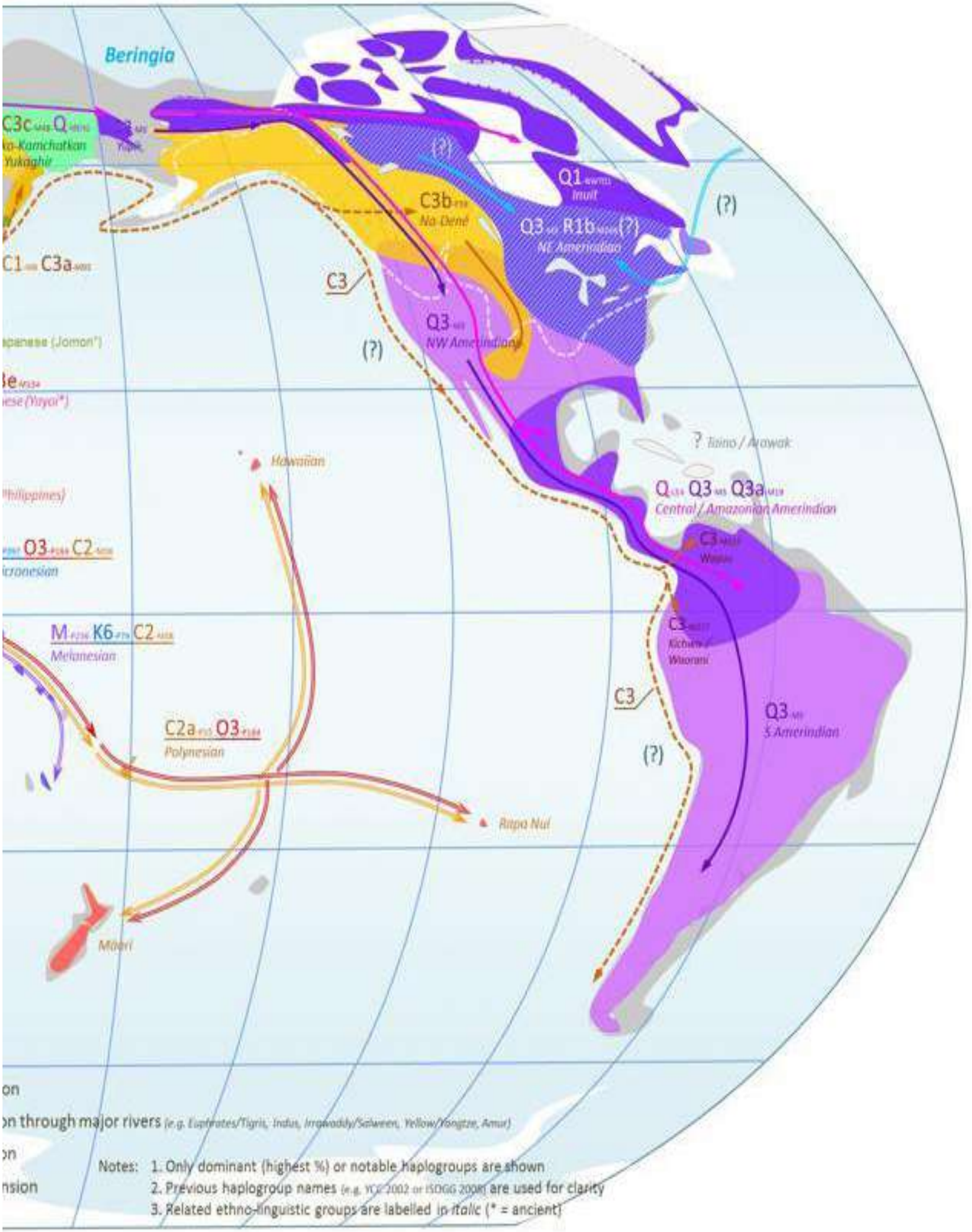

Beringia
C3c Q
ko-Kamchatkan
Yukaghir
Yupik
C3b
Na-Dené
Q1
Inuit
Q3 R1b (?)
NE Amerindian
(?)
C1 C3a
C3
Q3
NW Amerindian
(?)
apanese (Jomon*)
3e
nese (Yayoi*)
? Taino / Arawak
Hawaiian
Philippines)
Q Q3 Q3a
Central / Amazonian Amerindian
C3
O3 C2
icronesian
M K6 C2
Melanesian
C3
Kichwa / Waorani
C3
Q3
S Amerindian
(?)
C2a O3
Polynesian
Rapa Nui
Maori
on
on through major rivers (e.g. Euphrates/Tigris, Indus, Irrawaddy/Salween, Yellow/Yangtze, Amur)
on
nsion
Notes: 1. Only dominant (highest %) or notable haplogroups are shown
2. Previous haplogroup names (e.g. YCC 2002 or ISOGG 2008) are used for clarity
3. Related ethno-linguistic groups are labelled in italic (* = ancient)

खण्ड–1

अयोध्या

- **नामकरण**
- **पुरातत्त्व एवं इतिहास**
- **राम जन्मभूमि से सम्बन्धित न्यायालयीन प्रक्रिया एवं अभिलेख**
- **अयोध्या के मन्दिर एवं कुण्ड तथा अन्य पूजा–स्थल**
- **अयोध्या के उत्सव, त्योहार एवं मेले**
- **अयोध्या का सांस्कृतिक भूगोल**
- **श्री रामजन्म भूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट**
- **अयोध्या–कोरिया सम्बन्ध**
- **अन्य देशों में अयोध्या**
- **एडवर्ड विवेचनी सभा के पत्थर**
- **अयोध्या की संगीत परम्परा /महापुरूष, एवं प्रमुख संत**

सम्पादक मण्डल

- पद्मश्री के.के. मोहम्मद, पुरातत्वविद, पूर्व निदेशक, ए.एस.आई.
- न्यायमूर्ति (से.नि.) देवी प्रसाद सिंह, मा. उच्च न्यायलय, लखनऊ।
- प्रो. मनोज दीक्षित, मा. कुलपति, डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, अयोध्या।
- श्री किशोर कुणाल, इतिहासविद्, पटना/अयोध्या
- प्रो. दीनबन्धु पाण्डेय, वैश्विक अध्यक्ष, शोध निर्देशन मण्डल, इण्डोलॉजी फाउण्डेशन, नयी दिल्ली एवं सदस्य, भा.सा.वि.अनुसन्धान परिषद्, भारत सरकार
- प्रो. राणा पी.बी. सिंह, पूर्व विभागाध्यक्ष, भूगोल विभाग, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी
- श्री यतीन्द्र मिश्र, वरिष्ठ साहित्यकार, अयोध्या/ ■ डॉ. रामानन्द शुक्ल, साहित्य सेवी, अयोध्या
- डॉ. सुभाष चन्द्र यादव, क्षेत्रीय पुरातत्त्व अधिकारी, पुरातत्त्व विभाग, उ.प्र.
- प्रो. के.के. मिश्रा/ ■ डा. महेन्द्र पाठक
- डा. सर्वेश कुमार, असि. प्रोफ़ेसर, भूगोल पं. दीनदयाल उपाध्याय विश्वविद्यालय, गोरखपुर।

Book 1.indb 7 01/01/2010 9:36:52

राजा सगर
राजा दसरथ
राजा भगीरथ
राजा राम
लव, कुश

खण्ड–2

अयोध्या के राजा

1. इक्ष्वाकु	2. विकुक्षि	3. कुकुत्स्थ	4. अनेना	5. पृथु
6. दृढ़ाश्व	7. अन्ध्र	8. युवनाश्व	9. श्राव	10. श्रावस्तु
11. वृहदश्व	12. कुवलाश्व	13. दृढ़ाश्व	14. हर्यश्व	15. निकुम्भ
16. संहताश्व	17. कृशास्व	18. प्रसेनजित	19. युवनाश्व	20. मान्धाता
21. पुरूकुत्स	22. युवनाश्व	23. संभूत	24. अनरण्य	25. हर्यश्व
26. सुमति	27. त्रिधन्वा	28. ञ्य्यारूणि	29 सत्यव्रत त्रिशंकु	30. हरिश्चन्द्र
31. रोहित	32. हरित	33. विजय	34. रूरूक	35. वृक
36. बाहु	37. सगर	38. बाहिंकेतु	39. अंशुमान	40. दिलीप
41. भगीरथ	42. श्रुत	43. नाभाग	44. अम्बरीष	45. सिन्धुद्वीप
46. अयुतायु	47. ऋतुपर्ण	48. सर्वकाम	49. सुदास	50.कल्पमाषपाद
51. अश्मक	52. मूलक	53. शतरथ	54. इडविड	55. कृशशर्मा
56. विश्वसहस्र	57. दिलीप	58. दीर्घबाहु	59. रघु	60. अज
61. दशरथ	62. राम	63. कुश	64. अतिथि	65. निषध

- **ब्रह्माण्ड पुराण, वायु पुराण, विष्णु पुराण, भागवत पुराण, हरिवंश पुराण, मत्स्य पुराण एवं रामायण के अनुसार**

सम्पादक मण्डल

- प्रो. श्रीराम परिहार, वरिष्ठ साहित्यकार, ललित निबन्धकार एवं कला समीक्षक, खण्डवा, मध्य प्रदेश
- प्रो. राजेन्द्र मिश्र, रामायण विशेषज्ञ, शिमला
- प्रो. सी. उपेन्द्र राव, स्कूल ऑफ़ संस्कृत एण्ड इण्डिक स्टडी, जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, नयी दिल्ली
- डॉ. रामानन्द शुक्ल, साहित्यसेवी, अयोध्या
- श्रीकृष्ण जुगनू, पत्रकार एवं संस्कृति विशेषज्ञ, उदयपुर
- संस्कृत, पालि, प्राकृत, अपभ्रंश, जैन साहित्य, बौद्ध साहित्य आदि क्षेत्रों से दो–दो विद्वान

Book 1.indb 9 01/01/2010 9:36:55

जैन ग्रन्थों में राम

श्री रविषेणाचार्य विरचित
पद्म पुराण

खण्ड–3

पालि, प्राकृत, अपभ्रंश, साहित्य एवं जैन, बौद्ध संस्कृति कला में राम

- **पालि साहित्य में राम**
- **प्राकृत साहित्य में राम**
- **अपभ्रंश साहित्य में राम**
- **जैन संस्कृति एवं कला में राम**
- **बौद्ध संस्कृति एंव कला में राम**

सम्पादक मण्डल

- श्री अजित कुमार जैन, अध्यक्ष, श्री प्रेमप्रचारिणी दिगम्बर जैन सभा, मण्डी बामोरा–484240, सागर, मध्य प्रदेश।
- प्रो. सी. उपन्द्र राव, स्कूल ऑफ़ संस्कृत एंड इण्डिक स्टडी, जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, नयी दिल्ली

Book 1.indb 11 01/01/2010 9:36:58

बनारस के घाट

झाँसी की रामलीला

रामनगर की रामलीला

कानपुर की रामलीला

लखनऊ की रामलीला

खण्ड–4

उत्तर प्रदेश

- **स्थापत्य कला–राम मन्दिर, हनुमान मन्दिर, जानकी मन्दिर आदि**
- **मूर्ति कला–टेराकोटा, पत्थर, काष्ठ, धातु आदि शिल्प**
- **चित्रकला–लोक चित्र, पारम्परिक चित्र, आधुनिक चित्र**
- **संगीत कला–गायन, वादन एवं नृत्य**
- **रामलीला–मैदानी रामलीला, मंचीय रामलीला, शौक़िया रामलीला, रामायण बैले**
- **लोक साहित्य, लोकगीत एवं लोक परम्पराएँ**
- **कलाओं में रामायण विषयक प्रमुख ग्रन्थों का परिचय**
- **अन्य**

सम्पादक मण्डल

- प्रो. सूर्य प्रसाद दीक्षित, पूर्व विभागाध्यक्ष, हिन्दी विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ
- प्रो. योगेन्द्र सिंह, अध्यक्ष, इतिहास विभाग, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी
- श्रीमती मालिनी अवस्थी, मानद प्रोफ़ेसर, भारत अध्ययन केन्द्र, वाराणसी
- श्रीमती विद्या बिन्दु सिंह, लोक साहित्य विशेषज्ञ, लखनऊ
- प्रो. नीतू सिंह, विभागाध्यक्ष, एन्थ्रोपोलॉजी विभाग, विद्यान्त हिन्दू पी.जी. कालेज, लखनऊ
- डॉ. प्रभाकर सिंह, एसोसिएट प्रोफ़ेसर, हिन्दी विभाग, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी
- श्री वेद व्रत गुप्ता, मैदानी रामलीला, जसवन्त नगर, इटावा
- श्री अयोध्या प्रसाद गुप्त 'कुमुद', कोंच रामलीला समिति, उरई
- रसड़ा, अकबरपुर, खेरिया, रामनगर, कानपुर आदि मैदानी रामलीला समितियों के एक–एक सदस्य
- प्रो. अवधेश मिश्रा, डॉ. शकुन्तला मिश्रा, राष्ट्रीय पनुर्वास विश्वविद्यालय, लखनऊ
- ज्ञान प्रवाह, भारत कला भवन, नागरी प्रचारिणी सभा, सम्पूर्णानन्द विश्वविद्यालय, वाराणसी, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग
- श्री आलोक पराड़कर, वरिष्ठ पत्रकार एवं सम्पादक, लखनऊ
- डॉ. दीपकुमार शुक्ल, स्वतन्त्र पत्रकार, रामलीला विशेषज्ञ एवं कलाकार, कानपुर

Book 1.indb 13 01/01/2010 9:37:01

दीपोत्सव अयोध्या
दीपोत्सव अयोध्या
दीपोत्सव अयोध्या
दीपोत्सव अयोध्या
दीपोत्सव अयोध्या

- सुश्री कुसुम वर्मा, लोक कलाकार, लखनऊ
- श्री लक्ष्मी नारायण तिवाी, ब्रज संस्कृति कला विशेषज्ञ, ब्रज शोध संस्थान, गोदा बिहार, मथुरा।
- श्री आशीष गुप्ता, सहायक प्रोफ़ेसर, फैकल्टी ऑफ़ विजुअल आर्ट, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय वाराणसी
- डॉ. धीरेन्द्र कुमार राय, सहायक आचार्य, मॉस कम्यूनिकेशन विभाग, फैकल्टी ऑफ़ आर्ट, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय वाराणसी।
- डा. सचिन कुमार तिवारी हिन्दू विश्वविद्यालय वाराणसी।
- डॉ. कुमार अम्बरीश चंचल, सहायक प्रोफ़ेसर, बोकल म्यूजिक विभाग, एफ.ओ.पी.ए. काशी हिन्दू विश्वविद्यालय वाराणसी।
- डा. प्रवीण सिंह राणा, सहायक प्रोफ़ेसर, पर्यटन प्रबन्धन, फैकल्टी ऑफ़ आर्ट, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय वाराणसी।
- डॉ. अमित कुमार पाण्डेय, सेन्टेनरी विजिटिंग फेलो, एसोसिएट प्रोफ़ेसर, भारत अध्ययन केन्द्र, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय वाराणसी।
- डॉ. राजेश कुमार गर्ग, एसोसिएट प्रोफ़ेसर हिन्दी विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज,
- डॉ. सर्वेश सिंह, विभागाध्यक्ष, हिन्दी विभाग, बाबा साहब डॉ. भीवराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ
- डॉ. राजा पाठक, साहयक प्रोफ़ेसर ज्योतिष विभाग, सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी
- डॉ. राजेश सरकार, एसोसिएट प्रोफ़ेसर, संस्कृत विभाग, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी
- श्री मनीष खत्री, विश्व प्रसिद्ध छायाचित्रकार एवं कलाकार, वाराणसी

Book 1.indb 15 01/01/2010 9:37:03

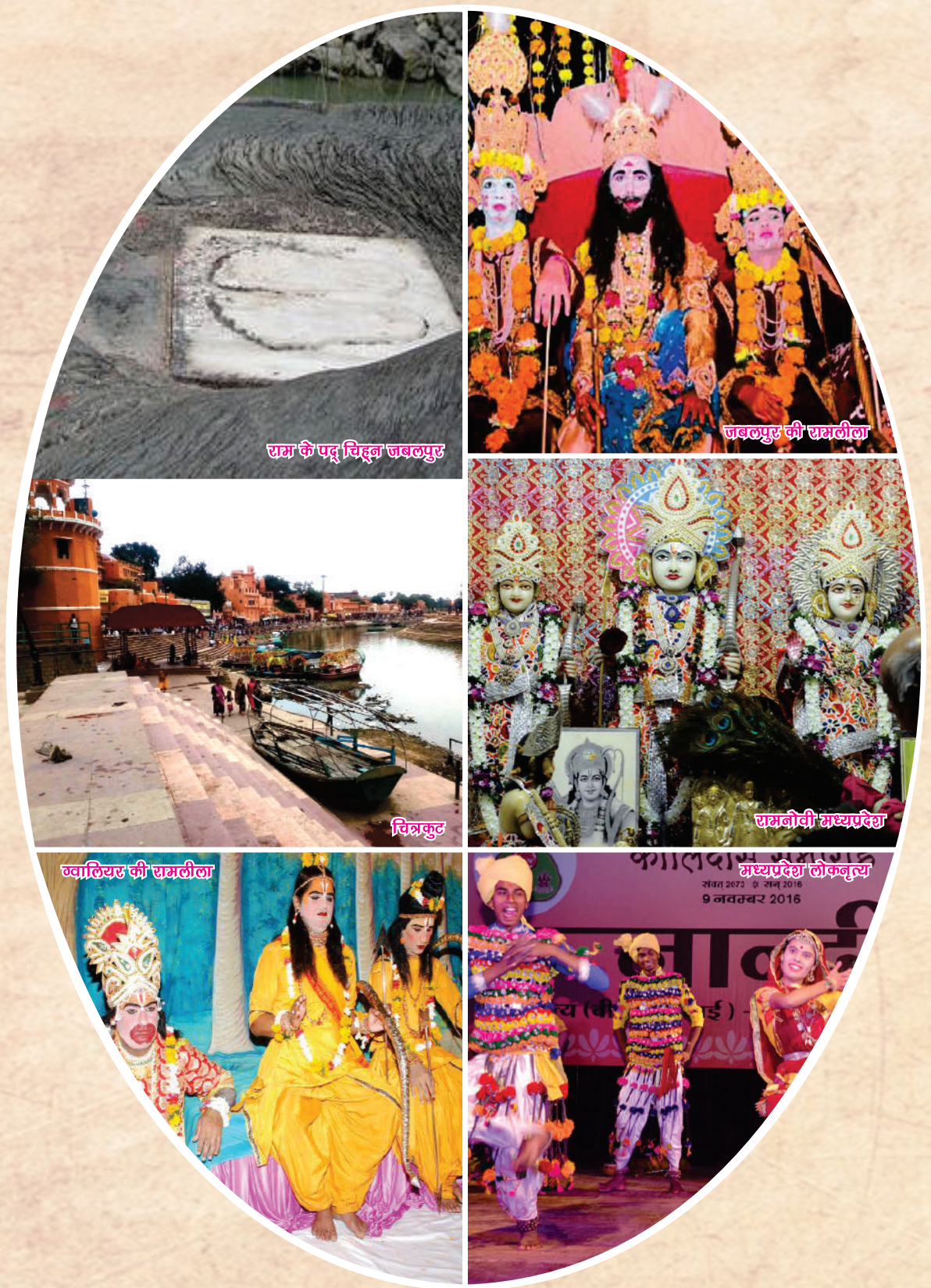
राम के पद् चिह्न जबलपुर
जबलपुर की रामलीला
चित्रकुट
रामनोवी मध्यप्रदेश
ग्वालियर की रामलीला
मध्यप्रदेश लोकनृत्य
9 नवम्बर 2016

खण्ड–5

मध्य प्रदेश

- **स्थापत्य कला–राम मन्दिर, हुनमान मन्दिर, जानकी मन्दिर आदि**
- **मूर्ति कला–टेराकोटा, पत्थर, काष्ठ, धातु आदि शिल्प**
- **चित्रकला–लोक चित्र, पारम्परिक चित्र, आधुनिक चित्र**
- **संगीत कला–गायन, वादन एवं नृत्य**
- **रामलीला–मैदानी रामलीला, मंचीय रामलीला, शौक़िया रामलीला, रामायण बैले, अनवरत रामचरितमानस गायन (जबलपुर)**
- **लोक साहित्य, लोकगीत एवं लोक परम्पराएँ**
- **जनजातीय साहित्य एवं कला**
- **कलाओं में रामायण विषयक प्रमुख ग्रन्थों का परिचय**
- **अन्य**

सम्पादक मण्डल

- प्रो. श्याम सुन्दर दुबे, वरिष्ठ साहित्यकार, कवि, ललित निबन्धकार एवं कला समीक्षक, हटा, दमोह
- प्रो. श्रीराम परिहार, वरिष्ठ साहित्यकार, ललित निबन्धकार एवं कला समीक्षक, खण्डवा, मध्य प्रदेश
- प्रो. एस.पी. गौतम, पूर्व कुलपति, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर, पूर्व अध्यक्ष, केन्द्रीय प्रदूषण नियन्त्रण केन्द्र, नयी दिल्ली
- प्रो. राजेश श्रीवास्तव, उच्च शिक्षा विभाग, मध्य प्रदेश, भोपाल
- श्री के.सी. जैन, दक्षिण अफ्रीका रामायण परम्परा विशेषज्ञ, जबलपुर
- जबलपुर, विदिशा तथा अन्य मैदानी रामलीलाओं की समितियों के एक–एक सदस्य
- श्री बसन्त निरगुणे, कला समीक्षक एवं जनजातीय कलाओं के विशेषज्ञ, भोपाल
- श्री अशोक मिश्र, क्यूरेटर, जनजातीय संग्रहालय, मध्य प्रदेश, भोपाल
- डॉ. अखिलेश गुमास्ताँ, रामायण विशेषज्ञ, जबलपुर
- श्री विजय बुधौलिया, भोपाल
- श्री पुराण सहगल, मध्य प्रदेश, भोपाल

Book 1.indb 17 01/01/2010 9:37:06

रामनामी सम्प्रदाय

रामनामी सम्प्रदाय

भित्ति मूर्ति

उर्दू में लिखी रामलीला

उर्दू में लिखी रामलीला

खण्ड–6

छत्तीसगढ़

- **स्थापत्य कला–राम मन्दिर, हनुमान मन्दिर, जानकी मन्दिर आदि**
- **मूर्ति कला–टेराकोटा, पत्थर, काष्ठ, धातु आदि शिल्प**
- **चित्रकला–लोक चित्र, पारम्परिक चित्र, आधुनिक चित्र**
- **संगीत कला–गायन, वादन एवं नृत्य**
- **रामलीला–मैदानी रामलीला, मंचीय रामलीला, शौक़िया रामलीला, रामायण बैले**
- **लोक साहित्य, लोकगीत एवं लोक परम्पराएँ**
- **जनजातीय साहित्य एवं कला**
- **अन्य**

सम्पादक मण्डल

- प्रो. श्रीप्रकाश मणि त्रिपाठी, कुलपति, इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, अमरकंटक
- प्रो. दिलीप सिंह, निदेशक, लुप्तप्राय भाषा विभाग, इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, अमरकंटक
- प्रो. श्रीप्रकाश मणि त्रिपाठी, कुलपति, अमरकंटक
- श्री ललित शर्मा, यायावर एवं संस्कृति विशेषज्ञ, रायपुर
- डॉ. आनन्द मूर्ति मिश्रा, एन्थ्रोपोलॉजिस्ट, बस्त विश्वविद्यालय, जगदलपुर
- डॉ. नीतेश मिश्रा, प्राचीन इतिहास विभाग, रविशंकर विश्वविद्यालय, रायपुर, छत्तीसगढ़
- डॉ. बलदाऊ राम साहू, पूर्व सचिव, पिछड़ा वर्ग आयोग, रायपुर, छत्तीसगढ़
- डॉ. पीसी लाल यादव, शिक्षक, गंडई, दुर्ग, छत्तीसगढ़
- श्री शिवकुमार पाण्डेय, बस्तर की संस्कृति के जानकार एवं अधिवक्ता, अबुझमाड़, नारायणपुर, बस्तर
- श्री प्रभात सिंह, पुराविद्, संस्कृति विभाग, रायपुर
- डॉ. शम्भुनाथ यादव, आर्कियोलॉजिकल सर्वे ऑफ़ इण्डिया सर्कल रायपुर, छत्तीसगढ़

Book 1.indb 19 01/01/2010 9:37:09

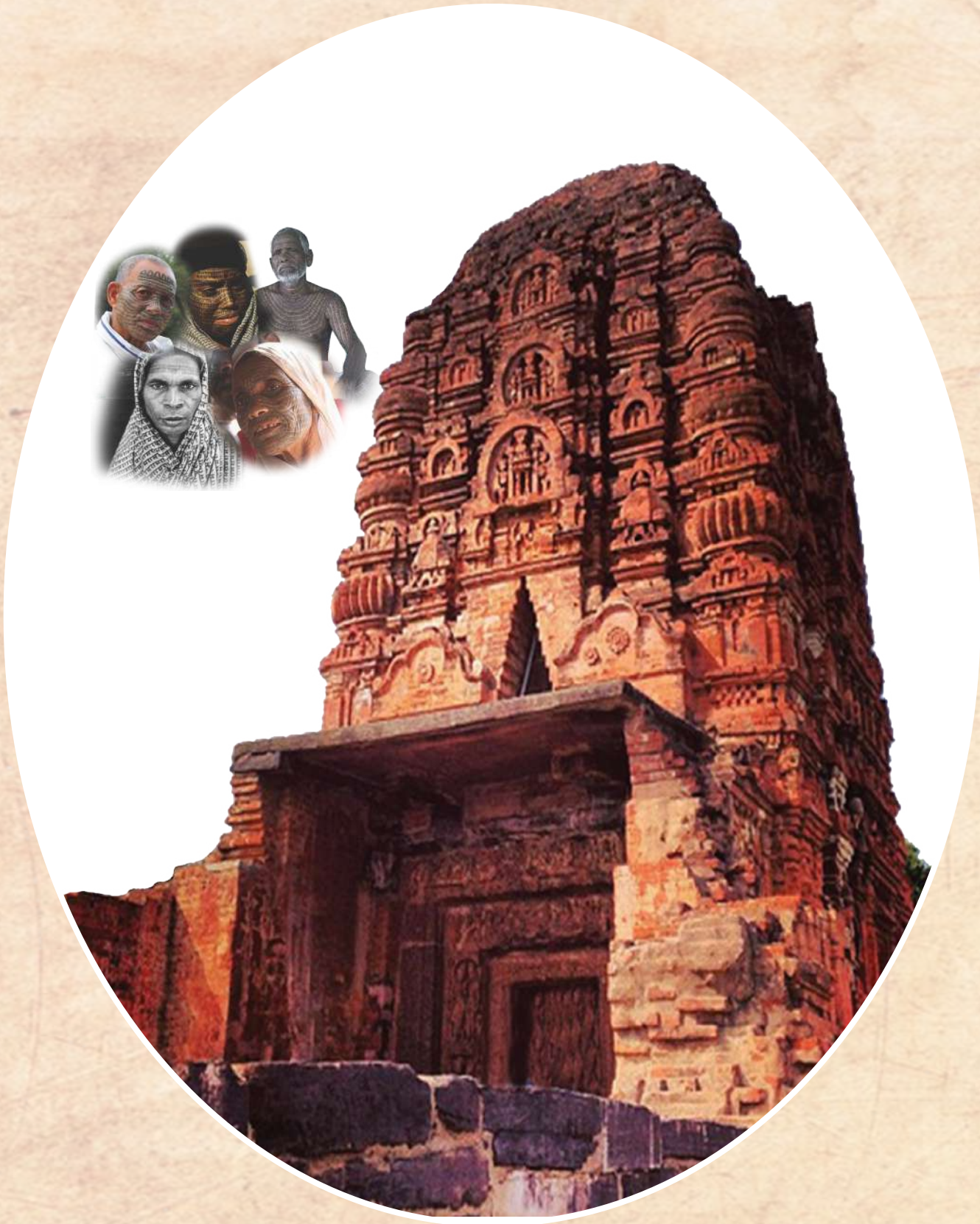

- श्रीमती रेखा पाण्डेय, व्याख्याता हिन्दी, अम्बिकापुर, सरगुजा
- श्री विजय शर्मा, शोधार्थी प्राचीन इतिहास, कोमाखान, बागबाहरा, महासमुन्द, कलिंग विश्वविद्यालय, रायपुर
- श्री हरि सिंह, क्षेत्रीय क्यूरेटर, पुरातत्त्व संग्रहालय, कोरबा, रायपुर
- डॉ. जितेन्द्र सिंह, प्राचीन इतिहास विभाग, खैरागढ़ विश्वविद्यालय, राजनांद गाँव, छत्तीसगढ़
- श्री रामकुमार साहू, रामलीला मण्डली, बालोद, छत्तीसगढ़
- डॉ. पुरुषोत्तम चन्द्राकर, छत्तीसगढ़
- श्री महेन्द्र मिश्रा, उदयपुर

Book 1.indb 21 01/01/2010 9:37:12

बिहार में कटपुतली रामलीला

मधुबनी चित्रकला

चंपारण का राम मन्दिर निर्माण योजना

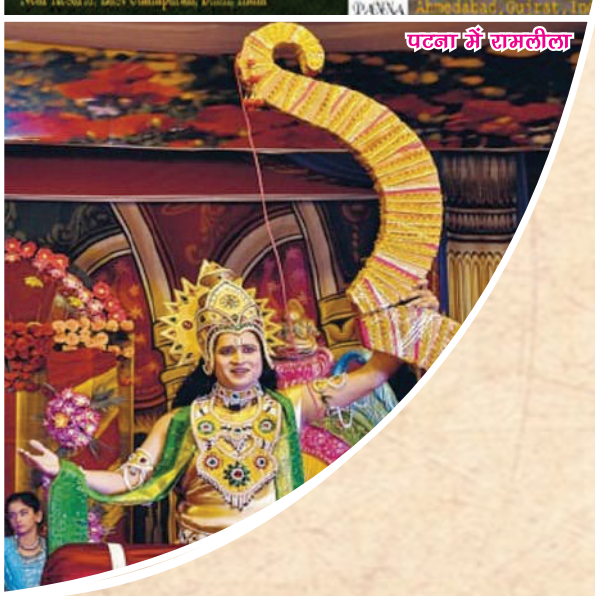

पटना में रामलीला

खण्ड–7

बिहार

- **स्थापत्य कला–रामन्दिर, हनुमान मन्दिर, जानकी मन्दिर आदि**
- **मूर्ति कला–टेराकोटा, पत्थर, काष्ठ, धातु आदि शिल्प**
- **चित्रकला–लोक चित्र, पारम्परिक चित्र, आधुनिक चित्र**
- **मधुबनी चित्रकला**
- **संगीत कला–गायन, वादन एवं नृत्य**
- **रामलीला–मैदानी रामलीला, मंचीय रामलीला, शौक़िया रामलीला, रामायण बैले**
- **लोक साहित्य, लोकगीत एवं लोक परम्पराएँ**
- **अन्य**

सम्पादक मण्डल

- श्री अशोक कुमार सिंह, बिहार सरकार, पटना
- श्री शिवकुमार मिश्रा, पुरातत्त्व विशेषज्ञ, बिहार, पटना
- डॉ. निशान्त, कला का इतिहास विभाग, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी
- श्री अशोक, निदेशक, उपेन्द्र महारथी शिल्प संस्थान, पटना
- डॉ. विनय कुमार, प्रोफ़ेसर एवं अध्यक्ष, हिन्दी विभाग, मगध विश्वविद्यालय, बोधगया
- डॉ. भरत सिंह, प्रोफ़ेसर, हिन्दी विभाग, मगध विश्वविद्यालय, बोधगया
- श्री राजकुमार लाल, मधुबनी चित्रकार, पटना
- डॉ. प्रीति त्रिपाठी, प्राध्यापक, हिन्दी विभाग, दरभंगा
- श्री रामशरण अग्रवाल, पुरातत्त्व विशेषज्ञ, सीतामढ़ी
- डॉ. महेन्द्र मिश्र मधुकर, रामायण विशेषज्ञ, पटना
- डॉ. सुनील कुमार तिवारी, भोजपुरी रामकथा विशेषज्ञ,दिल्ली विश्वविद्यालय
- श्री अभय सिन्हा, अध्यक्ष, प्रांगण नाट्य संस्था, पटना
- श्री अश्वनी कुमार आलोक, पत्रकार कालोनी, महनार, वैशाली, बिहार

Book 1.indb 23 01/01/2010 9:37:15

संथालों के परंपरागत वाद्य यंत्र

जमशेदपुर की रामलीला

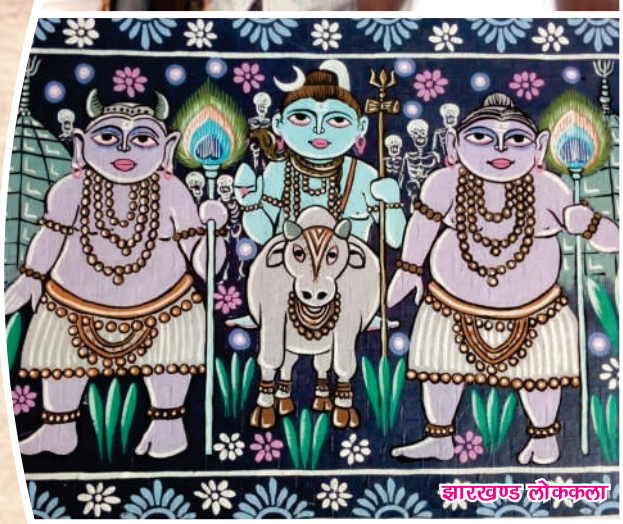

झारखण्ड लोककला

राम रेखाधाम सिमडेगा

गुमला में राममन्दिर

खण्ड–8

झारखण्ड

- **स्थापत्य कला–राम मन्दिर, हनुमान मन्दिर, जानकी मन्दिर आदि**
- **मूर्ति कला–टेराकोटा, पत्थर, काष्ठ, धातु आदि शिल्प**
- **चित्रकला–लोक चित्र, पारम्परिक चित्र, आधुनिक चित्र**
- **संगीत कला–गायन, वादन एवं नृत्य**
- **रामलीला–मैदानी रामलीला, मंचीय रामलीला, शौक़िया रामलीला, रामायण बैले**
- **लोक साहित्य, लोकगीत एवं लोक परम्पराएँ**
- **अन्य**

सम्पादक मण्डल

- प्रो. अरुण कुमार, पूर्व हिन्दी विभागाध्यक्ष, राँची
- डॉ. अविनाश कुमार सिंह, जमशेदपुर वीमेन्स कालेज, जमशेदपुर
- डॉ. हरेन्द्र सिन्हा, पुरातत्त्व विशेषज्ञ, राँची
- डॉ. यशोधरा राठौर

Book 1.indb 25 01/01/2010 9:37:18

विजयनगरम राम मन्दिर

चित्रकला आन्ध्र प्रदेश

गोपुरम कोदण्ड राम मन्दिर

कोदण्ड राम

कलमकारी चित्रकला आन्ध्र प्रदेश

खण्ड–9

आन्ध्र प्रदेश

- **स्थापत्य कला–राम मन्दिर, हनुमान मन्दिर, जानकी मन्दिर आदि**
- **मूर्ति कला–टेराकोटा, पत्थर, काष्ठ, धातु आदि शिल्प**
- **चित्रकला–लोक चित्र, पारम्परिक चित्र, आधुनिक चित्र**
- **संगीत कला–गायन, वादन एवं नृत्य**
- **रामलीला–मैदानी रामलीला, मंचीय रामलीला, शौक़िया रामलीला, रामायण बैले**
- **लोक साहित्य, लोकगीत एवं लोक परम्पराएँ**
- **कोदण्ड राम–मन्दिर एवं मूर्तियाँ**
- **अन्य**

सम्पादक मण्डल

- डॉ. पी. हरिराम प्रसाद, हिन्दी विभाग, पी.आर. गवर्नमेंट कॉलेज, काकीनाड़ा
- डॉ. पी. श्रीनिवास राव, दक्षिण भारत हिन्दी प्रचार सभा, पी.जी. विभाग, बेलगम
- डॉ. ओ.एस.आर. मूर्ति, ई.सी. मेम्बर, विद्या भारती एजुकेशन इंस्टीट्यूट, काकीनाड़ा
- डॉ. एन. सत्य नारायण, हिन्दी विभाग, आन्ध्रा विश्वविद्यालय, विशाखापटनम
- डॉ. टी. राजा शेखर, फैकल्टी पी.जी. गवर्नमेंट कॉलेज, काकीनाड़ा

Book 1.indb 27 01/01/2010 9:37:21

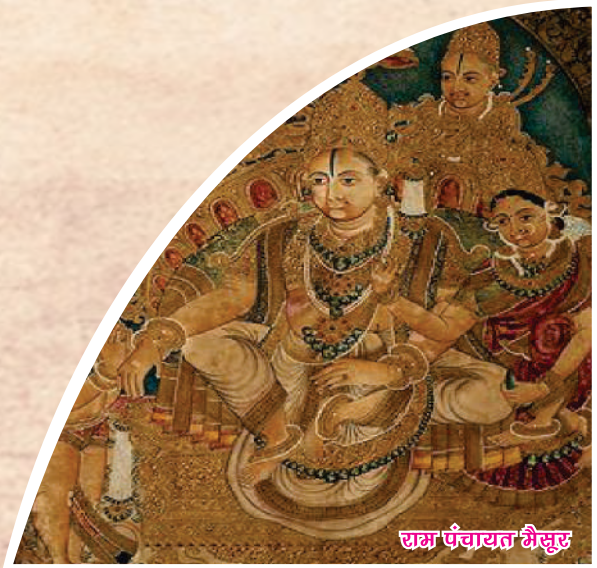

राम पंचायत मैसूर

अम्बा पाडी उडूपी कर्नाटक

गांडीडम वंकेटरामन स्वामी मन्दिर तिरूमाला

राम मूर्ति कर्नाटक

भगवान राम विट्ठल मन्दिर

खण्ड–10

कर्नाटक

- **स्थापत्य कला–राम मन्दिर, हनुमान मन्दिर, जानकी मन्दिर आदि**
- **मूर्ति कला–टेराकोटा, पत्थर, काष्ठ, धातु आदि शिल्प**
- **चित्रकला–लोक चित्र, पारम्परिक चित्र, आधुनिक चित्र**
- **संगीत कला–गायन, वादन एवं नृत्य**
- **रामलीला–मैदानी रामलीला, मंचीय रामलीला, शौक़िया रामलीला, रामायण बैले**
- **लोक साहित्य, लोकगीत एवं लोक परम्पराएँ**
- **कोदण्ड राम–मन्दिर एवं मूर्तियाँ**
- **अन्य**

सम्पादक मण्डल

- प्रो. टी.आर. भट्ट, पूर्व हिन्दी विभागाध्यक्ष, धारवाड़
- डॉ. उर्मिला पोरवाल, एसोसिएट प्रोफ़ेसर, हिन्दी विभाग, बेंगलुरू
- श्री थामस एलेक्जेंडर, स्थापत्य एवं मूर्ति कला विशेषज्ञ, फ़ोटो चित्रकार, बेंगलुरू

Book 1.indb 29 01/01/2010 9:37:24

रामास्वामी मन्दिर कुम्भकोणम
रामनाथस्वामी मन्दिर तमिलनाडु
रावण लीला 1974 तमिलनाडु
बृहदीश्वर मन्दिर तमिलनाडु
राम दरबार तंजौर पेन्टिंग मन्दिर

खण्ड–11

तमिलनाडु

- स्थापत्य कला–राम मन्दिर, हनुमान मन्दिर, जानकी मन्दिर आदि
- मूर्ति कला–टेराकोटा, पत्थर, काष्ठ, धातु आदि शिल्प
- चित्रकला–लोक चित्र, पारम्परिक चित्र, आधुनिक चित्र
- संगीत कला–गायन, वादन एवं नृत्य
- रामलीला–मैदानी रामलीला, मंचीय रामलीला, शौक़िया रामलीला, रामायण बैले
- लोक साहित्य, लोकगीत एवं लोक परम्पराएँ
- कोदण्ड राम–मन्दिर एवं मूर्तियाँ
- अन्य

सम्पादक मण्डल

- प्रो. एस.वी.एस.एस.एन. राजू, चेन्नई
- प्रो. प्रदीप शर्मा
- डॉ. रंजय कुमार सिंह

Book 1.indb 31 01/01/2010 9:37:27

रामचन्द्र स्वामी मन्दिर तेलंगाना

तेलंगाना ओबी रावण में रामलीला

रमप्पा मन्दिर वरंगल

रामलीला करीम नगर

भद्राचलम राम मन्दिर

खण्ड–12

तेलंगाना

- **स्थापत्य कला–राम मन्दिर, हनुमान मन्दिर, जानकी मन्दिर आदि**
- **मूर्ति कला–टेराकोटा, पत्थर, काष्ठ, धातु आदि शिल्प**
- **चित्रकला–लोक चित्र, पारम्परिक चित्र, आधुनिक चित्र**
- **संगीत कला–गायन, वादन एवं नृत्य**
- **रामलीला–मैदानी रामलीला, मंचीय रामलीला, शौक़िया रामलीला, रामायण बैले**
- **लोक साहित्य, लोकगीत एवं लोक परम्पराएँ**
- **केन्द्रीय संस्कृत संस्थान विश्वविद्यालय के पुस्तकालय में रामायण आधारित पाण्डुलिपियाँ**
- **गाँवों में स्थित रामालय**
- **अन्य**

सम्पादक मण्डल

- प्रो. ऋषभ देव शर्मा, पूर्व हिन्दी विभागाध्यक्ष, हैदराबाद
- डॉ. एम. रामनाथन, एस.वी.ओ. कॉलेज, तिरुपति
- प्रो. एस. सराजू, सेंट्रल यूनिवर्सिटी हैदराबाद, हैदराबाद
- डॉ. नारायण, हिन्दी विभाग, एस.वी. विश्वविद्यालय, हैदराबाद
- डॉ. डी. रंगा, ओसमानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद
- डॉ. गौतम कांबले, फैकल्टी पी.आर. गवर्नमेंट कॉलेज, काकीनाड़ा
- डॉ. वी. कृष्णा

Book 1.indb 33 01/01/2010 9:37:30

धनुष कोटी राम

राम सेतू

जटायु चिड केरल

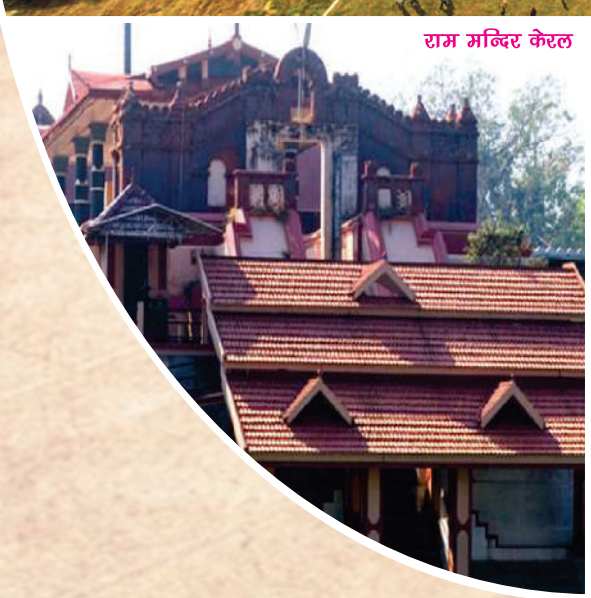

राम मन्दिर केरल

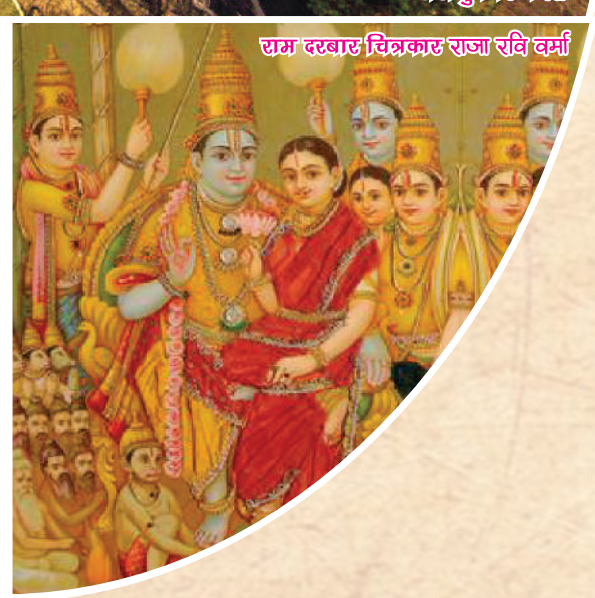

राम दरबार चित्रकार राजा रवि वर्मा

खण्ड–13

केरल

- **स्थापत्य कला–राम मन्दिर, हनुमान मन्दिर, जानकी मन्दिर आदि**
- **मूर्ति कला–टेराकोटा, पत्थर, काष्ठ, धातु आदि शिल्प**
- **चित्रकला–लोक चित्र, पारम्परिक चित्र, आधुनिक चित्र**
- **संगीत कला–गायन, वादन एवं नृत्य**
- **रामलीला–मैदानी रामलीला, मंचीय रामलीला, शौक़िया रामलीला, रामायण बैले**
- **लोक साहित्य, लोकगीत एवं लोक परम्पराएँ**
- **अन्य**

सम्पादक मण्डल

- प्रो. एम. वनजा, पूर्व हिन्दी विभागाध्यक्ष, कोचीन
- प्रो. के. मोहन, हिन्दी विभागाध्यक्ष, कोचीन
- प्रो. (डॉ.) एस. तिंकमणि अम्मा, पूर्व प्रोफ़ेसर एवं अध्यक्षा, हिन्दी विभाग एवं डीन, केरल विश्वविद्यालय, तिरुवनन्तपुरम, मणि मन्दरम, आनयरा (डाक)–695029
- डॉ. प्रमोद कोवव्रत, हिन्दी विभाग, कालीकट विश्वविद्यालय, कालीकट, केरल
- डॉ. वीणा प्रभाकरन
- श्री देवदत्त कुशवाहा, कोचीन

Book 1.indb 35 01/01/2010 9:37:33

माजुली की रामलीला

आसम की रामलीला

माजुली के मुखोटे

माजुली की रामलीला

साबिन आलुन-कार्बी
(असम) रामकथा

खण्ड–14

असम

- **स्थापत्य कला–राम मन्दिर, हनुमान मन्दिर, जानकी मन्दिर आदि**
- **मूर्ति कला–टेराकोटा, पत्थर, काष्ठ, धातु आदि शिल्प**
- **चित्रकला–लोक चित्र, पारम्परिक चित्र, आधुनिक चित्र**
- **संगीत कला–गायन, वादन एवं नृत्य**
- **रामलीला–मैदानी रामलीला, मंचीय रामलीला, शौक़िया रामलीला, रामायण बैले**
- **लोक साहित्य, लोकगीत एवं लोक परम्पराएँ**
- **माझुली की मुखौटा कला तथा रामलीला परम्परा**
- **अन्य**

सम्पादक मण्डल

- प्रो. अनुशब्द, विभागाध्यक्ष, हिन्दी विभाग, केन्द्रीय विश्वविद्यालय, तेजपुर
- प्रो. जाधव बोरा, प्रदर्शनकारी कला विभाग, डिब्रूगढ़ विश्वविद्यालय
- सुश्री प्रियंका दास, शोधार्थी, केन्द्रीय विश्वविद्यालय, तेजपुर
- श्री कुमार सौरभ, शोधार्थी, केन्द्रीय विश्वविद्यालय, तेजपुर
- डॉ. परिस्मिता बोरदोलोई, काटन विश्वविद्यालय, गोहाटी
- सुश्री प्रीति प्रकाश, शोधार्थी, केन्द्रीय विश्वविद्यालय, तेजपुर
- डॉ. मौसमी कंदलि, संस्कृत अध्ययन विभाग, केन्द्रीय विश्वविद्यालय, तेजपुर
- डॉ. संजय कुमार ताँती, जनजातीय लेखक, तेजपुर
- सुश्री उन्मेषा कोंवर, शोधार्थी, केन्द्रीय विश्वविद्यालय, तेजपुर
- डॉ. रीतामणि वैश्य, गुवाहाटी विश्वविद्यालय, गुवाहाटी
- डॉ. नीराजना महन्त बेजबरूवा, अध्यापक, असमिया विभाग, डिब्रूगढ़ विश्वविद्यालय
- डॉ. अरुन्धती महन्त, विभागाध्यक्ष, असमिया विभाग, गरगाँव कालेज, शिवसागर, असम
- प्रो. पुष्पा सिंह

Book 1.indb 37 01/01/2010 9:37:36

रामलीला मणिपुर

रामलीला मणिपुर

महाबली मन्दिर

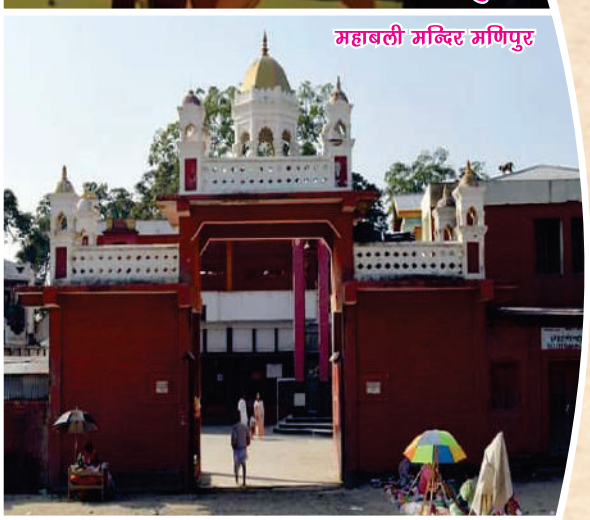

महाबली मन्दिर मणिपुर

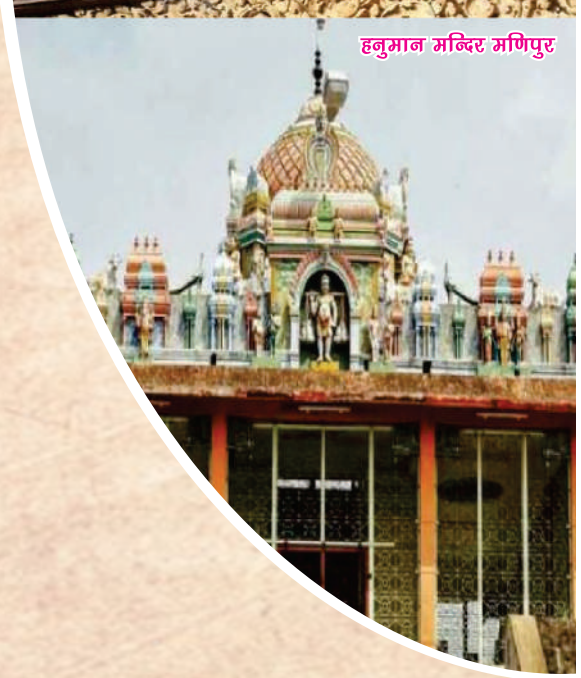

हनुमान मन्दिर मणिपुर

हनुमान यात्रा मणिपुर

खण्ड–15

मणिपुर

- स्थापत्य कला–राम मन्दिर, हनुमान मन्दिर, जानकी मन्दिर आदि
- मूर्ति कला–टेराकोटा, पत्थर, काष्ठ, धातु आदि शिल्प
- चित्रकला–लोक चित्र, पारम्परिक चित्र, आधुनिक चित्र
- संगीत कला–गायन, वादन एवं नृत्य
- रामलीला–मैदानी रामलीला, मंचीय रामलीला, शौक़िया रामलीला, रामायण बैले
- लोक साहित्य, लोकगीत एवं लोक परम्पराएँ
- अन्य

सम्पादक मण्डल

- प्रो. ह. सुवदिनी देवी, मणिपुर विश्वविद्यालय, मणिपुर

Book 1.indb 39 01/01/2010 9:37:39

छविमूडा में भित्ति चित्र

उनकोटी में राम (भित्ति चित्र)

उनकोटी में देवी देवताओं की मूर्तियाँ

चतुरदसा मन्दिर त्रिपुरा

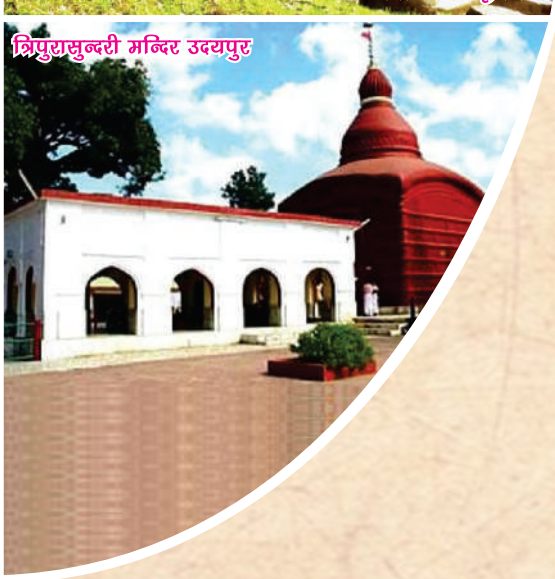

त्रिपुरासुन्दरी मन्दिर उदयपुर

खण्ड–16

त्रिपुरा

- स्थापत्य कला–राम मन्दिर, हनुमान मन्दिर, जानकी मन्दिर आदि
- मूर्ति कला–टेराकोटा, पत्थर, काष्ठ, धातु आदि शिल्प
- चित्रकला–लोक चित्र, पारम्परिक चित्र, आधुनिक चित्र
- संगीत कला–गायन, वादन एवं नृत्य
- रामलीला–मैदानी रामलीला, मंचीय रामलीला, शौक़िया रामलीला, रामायण बैले
- लोक साहित्य, लोकगीत एवं लोक परम्पराएँ
- ऊनाकोटि में राम अंकन तथा सीता कुण्ड
- अन्य

सम्पादक मण्डल

- डॉ. मिलनरानी जमातिया, अगरतला

Book 1.indb 41 01/01/2010 9:37:42

राम तीर्थ अमृतसर

राम यात्रा अमृतसर

लाहौर–इस्लामाबाद, पाकिस्तान की पुरानी हवेलियों में रामायण

रामलीला अमृतसर

लाहौर–इस्लामाबाद, पाकिस्तान की पुरानी हवेलियों में रामायण

खण्ड–17

पंजाब

- **स्थापत्य कला–राम मन्दिर, हनुमान मन्दिर, जानकी मन्दिर आदि**
- **मूर्ति कला–टेराकोटा, पत्थर, काष्ठ, धातु आदि शिल्प**
- **चित्रकला–लोक चित्र, पारम्परिक चित्र, आधुनिक चित्र**
- **संगीत कला–गायन, वादन एवं नृत्य**
- **रामलीला–मैदानी रामलीला, मंचीय रामलीला, शौक़िया रामलीला, रामायण बैले**
- **लोक साहित्य, लोकगीत एवं लोक परम्पराएँ**
- **अन्य**

सम्पादक मण्डल

- प्रो. हरमहेन्द्र सिंह बेदी, कुलपति, केन्द्रीय विश्वविद्यालय, धर्मशाला
- प्रो. सुखदेव सिंह मिनहास, हिन्दी विभागाध्यक्ष, शासकीय महाविद्यालय, चण्डीगढ़

Book 1.indb 43 01/01/2010 9:37:45

रामलीला पंचकूला
रामलीला पानीपत
पिल्लूखेड़ा
रामलीला पिल्लूखेड़ा
रामलीला हैली मंडी
राम मन्दिर पंचकूला
KARNAL
रामलीला करनाल

खण्ड–18

हरियाणा

- **स्थापत्य कला–राम मन्दिर, हनुमान मन्दिर, जानकी मन्दिर आदि**
- **मूर्ति कला–टेराकोटा, पत्थर, काष्ठ, धातु आदि शिल्प**
- **चित्रकला–लोक चित्र, पारम्परिक चित्र, आधुनिक चित्र**
- **संगीत कला–गायन, वादन एवं नृत्य**
- **रामलीला–मैदानी रामलीला, मंचीय रामलीला, शौक़िया रामलीला, रामायण बैले**
- **लोक साहित्य, लोकगीत एवं लोक परम्पराएँ**
- **विभिन्न विश्वविद्यालयों में रामायण आधारित शोध कार्यों का संकलन**
- **अन्य**

सम्पादक मण्डल

- डॉ. रामेन्द्र सिंह, निदेशक, विद्या भारती संस्कृति शिक्षा संस्थान, कुरुक्षेत्र, हरियाणा
- प्रो. संजना विज, एमिटी विश्वविद्यालय, गुरुग्राम, हरियाणा
- डॉ. पुष्पा रानी, प्रोफ़ेसर एवं अध्यक्ष, हिन्दी विभाग, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र, हरियाणा
- डॉ. सत्य नारायण
- डॉ. मीनाक्षी गिरी
- डॉ. मनोज चतुर्वेदी

Book 1.indb 45 01/01/2010 9:37:48

कलकत्ता की रामलीला

टेराकोटा में रामायण

टेराकोटा में रामायण

खण्ड–19

पश्चिम बंगाल

- **स्थापत्य कला–राम मन्दिर, हनुमान मन्दिर, जानकी मन्दिर आदि**
- **मूर्ति कला–टेराकोटा, पत्थर, काष्ठ, धातु आदि शिल्प**
- **चित्रकला–लोक चित्र, पारम्परिक चित्र, आधुनिक चित्र**
- **संगीत कला–गायन, वादन एवं नृत्य**
- **रामलीला–मैदानी रामलीला, मंचीय रामलीला, शौक़िया रामलीला, रामायण बैले**
- **लोक साहित्य, लोकगीत एवं लोक परम्पराएँ**
- **विष्णुपुर बाँकुरा तथा अन्य स्थलों का टेराकोटा में रामायण अंकन**
- **मुर्शिदाबाद की पारम्परिक साड़ी में रामायण अंकन**
- **अन्य**

सम्पादक मण्डल

- श्रीमती अनीता बोस, पूर्व क्यूरेटर, नेशनल म्यूज़ियम, बैंकाक, दक्षिण–पूर्व एशिया की कला विशेषज्ञ, कोलकाता
- श्री विश्वजीत मजूमदार, टेराकोटा कलाकार, कोलकाता
- डॉ. मंजुरानी सिंह, प्रोफ़ेसर, हिन्दी विभाग, विश्वभारती, शान्ति निकेतन, पश्चिम बंगाल, कोलकाता
- श्री नुरूद्दीन, पेटुआ पारम्परिक चित्रकला के कलाकार, मेदिनीपुर
- Bengay Guys
- Jinia Roy, Bengal

Book 1.indb 47 01/01/2010 9:37:51

महाराष्ट्र की रामलीला

रामतक मन्दिर नागपुर

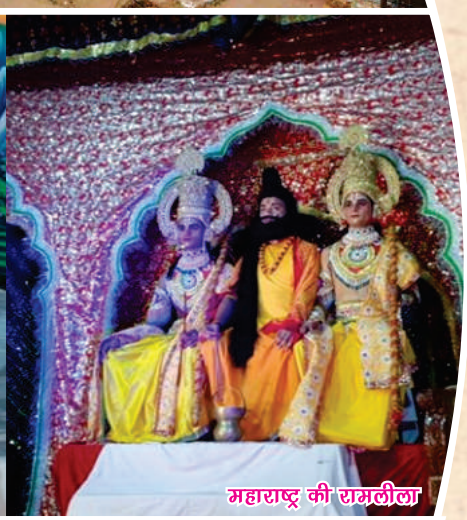

महाराष्ट्र की रामलीला

गुमप्पा मन्दिर नासिक

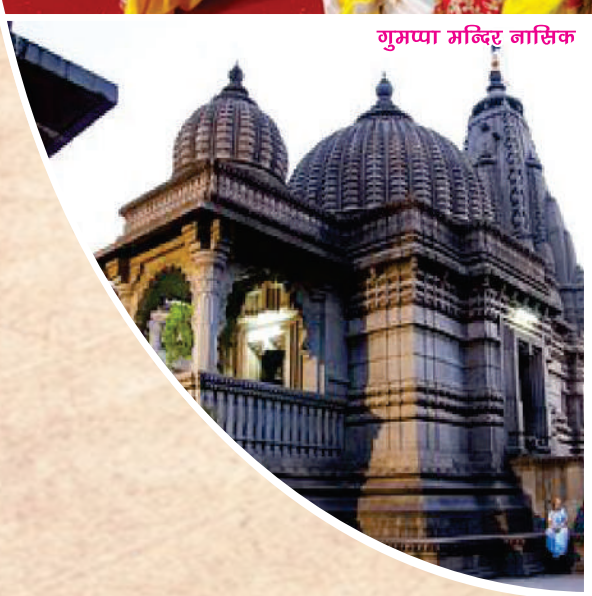

पंचवटी गुफा नासिक

खण्ड–20

महाराष्ट्र

- **स्थापत्य कला–राम मन्दिर, हनुमान मन्दिर, जानकी मन्दिर आदि**
- **मूर्ति कला–टेराकोटा, पत्थर, काष्ठ, धातु आदि शिल्प**
- **चित्रकला–लोक चित्र, पारम्परिक चित्र, आधुनिक चित्र**
- **संगीत कला–गायन, वादन एवं नृत्य**
- **रामलीला–मैदानी रामलीला, मंचीय रामलीला, शौक़िया रामलीला, रामायण बैले**
- **लोक साहित्य, लोकगीत एवं लोक परम्पराएँ**
- **औरंगाबाद के कैलाश मन्दिर में रामायण अंकन**
- **अन्य**

सम्पादक मण्डल

- प्रो. प्रदीप कुमार सिंह, अध्यक्ष, साहित्यिक सांस्कृतिक शोध संस्था एवं अध्यक्ष, हिन्दी विभाग, साठे महाविद्यालय, मुम्बई
- प्रो. गिरीश जोशी, पूर्व उप–प्राचार्य, आचार्या मराठे कालेज, चेम्बूर, मुम्बई
- डॉ. माधुरी सिंह, प्रो. ठाकुर कालेज, कान्दीवली, मुम्बई
- डॉ. नीलम जैन, एच–202, डैफोडिल्स मागर पत्ता सिटी, पुणे
- विनीत वर्मा, मुम्बई

Book 1.indb 49 01/01/2010 9:37:54

अल्मोडा की रामलीला

उत्तरखण्ड की रामलीला

उत्तराखण्ड की रामलीला

रम्माण उत्सव की झाकी उत्तराखण्ड

हल्द्वानी की रामलीला

रम्माण उत्सव की झाकी उत्तराखण्ड

खण्ड–21

उत्तराखण्ड

- **स्थापत्य कला–राम मन्दिर, हनुमान मन्दिर, जानकी मन्दिर आदि**
- **मूर्ति कला–टेराकोटा, पत्थर, काष्ठ, धातु आदि शिल्प**
- **चित्रकला–लोक चित्र, पारम्परिक चित्र, आधुनिक चित्र**
- **संगीत कला–गायन, वादन एवं नृत्य**
- **रामलीला–मैदानी रामलीला, मंचीय रामलीला, शौक़िया रामलीला, रामायण बैले**
- **लोक साहित्य, लोकगीत एवं लोक परम्पराएँ**
- **चमोली तथा अन्य स्थानों की रम्मण परम्परा**
- **अन्य**

सम्पादक मण्डल

- प्रो. अंजली चौहान, एन्थ्रोपोलॉजी विभाग, के.के.सी., लखनऊ
- डॉ. सतीश कुमार शास्त्री, ग्राम अलावलपुर, पो.–भिक्कमपुर, हरिद्वार, उत्तराखण्ड
- डॉ. रमेश कुमार सिंह, पौड़ी
- श्री विक्रम बिष्ट, लोक कलाकार एवं विशेषज्ञ, लखनऊ

Book 1.indb 51 01/01/2010 9:37:57

218 वर्ष पुरानी रामलीला उड़ीसा

218 वर्ष पुरानी रामलीला उड़ीसा

रघुनाथ मन्दिर उड़ीसा

राम मन्दिर भुवनेश्वर

218 वर्ष पुरानी रामलीला उड़ीसा

218 वर्ष पुरानी रामलीला उड़ीसा

खण्ड–22

ओड़िशा

- **स्थापत्य कला–राम मन्दिर, हनुमान मन्दिर, जानकी मन्दिर आदि**
- **मूर्ति कला–टेराकोटा, पत्थर, काष्ठ, धातु आदि शिल्प**
- **चित्रकला–लोक चित्र, पारम्परिक चित्र, पट्ट शैली–ताड़ एवं वस्त्र पर आधुनिक चित्र**
- **पेपर मैसी में मुखौटा कला**
- **साही जतरा**
- **संगीत कला–गायन, वादन एवं नृत्य**
- **रामलीला–मैदानी रामलीला, मंचीय रामलीला, शौकिया रामलीला, रामायण बैले**
- **लोक साहित्य, लोकगीत एवं लोक परम्पराएँ**
- **अन्य**

सम्पादक मण्डल

- डॉ. ब्योमकेश त्रिपाठी, कुलपति, उत्कल कल्चर विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर
- पद्मश्री सुदर्शन पटनायक, अध्यक्ष, ललित कला अकादमी, ओड़िशा, भुवनेश्वर
- प्रो. रूपाम्बिका पटनायक, भुवनेश्वर
- श्री ब्रजेश्वर पटनायक, पट्ट शैली कलाकार, भुवनेश्वर
- डॉ. सुनील कुमार पटनायक, उप निदेशक, पर्यटन एवं संस्कृति विभाग, ओड़िशा, भुवनेश्वर

Book 1.indb 53 01/01/2010 9:38:00

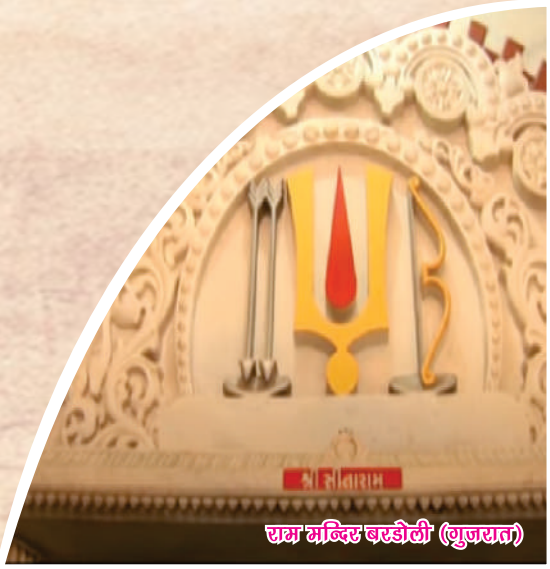

राम मन्दिर बरडोली (गुजरात)

राम मन्दिर तलगाजर्दा गुजरात

राम मन्दिर सूरत

रामलीला गुजरात

रामलीला गुजरात

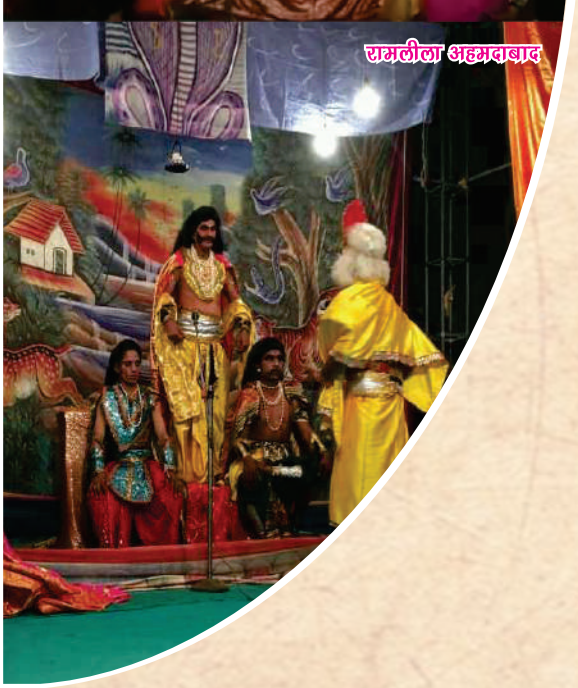

रामलीला अहमदाबाद

खण्ड–23

गुजरात

- **स्थापत्य कला–राम मन्दिर, हनुमान मन्दिर, जानकी मन्दिर आदि**
- **मूर्ति कला–टेराकोटा, पत्थर, काष्ठ, धातु आदि शिल्प**
- **चित्रकला–लोक चित्र, पारम्परिक चित्र, आधुनिक चित्र**
- **संगीत कला–गायन, वादन एवं नृत्य**
- **रामलीला–मैदानी रामलीला, मंचीय रामलीला, शौक़िया रामलीला, रामायण बैले**
- **लोक साहित्य, लोकगीत एवं लोक परम्पराएँ**
- **अन्य**

सम्पादक मण्डल

- प्रो. संजीव कुमार दुबे, गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय, अहमदाबाद, गुजरात
- श्री प्रदीप झावेरी, 41, विंग्स विला, 73, विश्वास कालोनी, जेतलपुर रोड, त्रिशा गैलरी के पीछे, खुशबू कार्नर के पीछे, पुनीत ट्रेवेल रोड, बड़ौदा
- डॉ. भावेश जाधव, हिन्दी विभागाध्यक्ष, सूरत
- डॉ. अजय भाई पटेल
- डॉ. मधुकर पाढ़वी
- डॉ. भगवान दास पटेल, गुजरात

Book 1.indb 55 01/01/2010 9:38:03

रामायण और स्कंदपुराण में गोवा का उल्लेख गोपक पुरी के रूप में मिलता है।

एसएस मिश्रा रामलीला गोवा

रामनाथ मन्दिर गोवा

रामलीला गोवा

रामनोमी यात्रा गोवा

खण्ड–24

गोवा

- **स्थापत्य कला–राम मन्दिर, हनुमान मन्दिर, जानकी मन्दिर आदि**
- **मूर्ति कला–टेराकोटा, पत्थर, काष्ठ, धातु आदि शिल्प**
- **चित्रकला–लोक चित्र, पारम्परिक चित्र, आधुनिक चित्र**
- **संगीत कला–गायन, वादन एवं नृत्य**
- **रामलीला–मैदानी रामलीला, मंचीय रामलीला, शौकिया रामलीला, रामायण बैले**
- **लोक साहित्य, लोकगीत एवं लोक परम्पराएँ**
- **अन्य**

सम्पादक मण्डल

- सुश्री अनुराधा गोयल, गोवा
- डॉ. अनिल कुमार सिंह, अध्यक्ष, एस.बी. कालेज, शाहापुर

Book 1.indb 57 01/01/2010 9:38:06

रामलीला मैदान

बिरला मन्दिर

रामलीला दुर्गा पूजा कैमेटी दिल्ली

करोलबाग में विश्व की सबसे ऊँची प्रतिमा

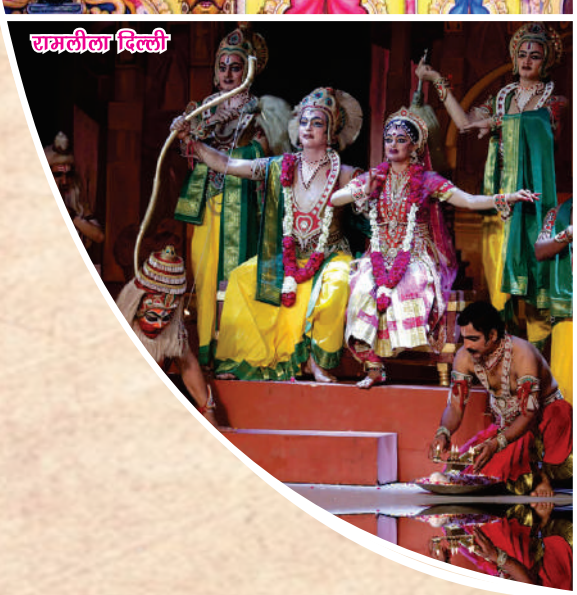

रामलीला दिल्ली

खण्ड–25

दिल्ली

- **स्थापत्य कला–राम मन्दिर, हनुमान मन्दिर, जानकी मन्दिर आदि**
- **मूर्ति कला–टेराकोटा, पत्थर, काष्ठ, धातु आदि शिल्प**
- **चित्रकला–लोक चित्र, पारम्परिक चित्र, आधुनिक चित्र**
- **संगीत कला–गायन, वादन एवं नृत्य**
- **रामलीला–मैदानी रामलीला, मंचीय रामलीला, शौक़िया रामलीला, रामायण बैले**
- **लोक साहित्य, लोकगीत एवं लोक परम्पराएँ**
- **नयी दिल्ली में स्थित केन्द्र सरकार/राज्य सरकार तथा अन्य संस्थाओं द्वारा किये गये कार्य–इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय कला केन्द्र, केन्द्रीय संगीत नाटक अकादमी, राष्ट्रीय अभिलेखागार, राष्ट्रीय संग्रहालय**
- **अन्य**

सम्पादक मण्डल

- पद्मश्री नरेन्द्र कोहली, नयी दिल्ली
- प्रो. मौली कौशल, अध्यक्ष, जनपद सम्पदा प्रभाग, इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय कला केन्द्र, नयी दिल्ली
- प्रो. सी. उपेन्द्र राव, स्कूल ऑफ़ संस्कृत एण्ड इण्डिक स्टडी, जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, नयी दिल्ली
- प्रो. सुधीर प्रताप सिंह, जे.एन.यू., नयी दिल्ली
- श्री रामअवतार शर्मा, अध्यक्ष, राम वनगमन मार्ग समिति, भारत सरकार, नयी दिल्ली
- श्री अरुण माहेश्वरी, अध्यक्ष, वाणी फाउण्डेशन, नयी दिल्ली
- डॉ. साकेत सहाय, साहित्यकार, नयी दिल्ली
- सुश्री रमा शर्मा, प्रधानाचार्य, हिन्दी विभाग, हंसराज कालेज, दिल्ली
- डॉ. टी.एन. ओझा, एसोसिएट प्रोफ़ेसर, महाराजा अग्रसेन कालेज, दिल्ली
- श्री शोभित कुमार सिंह, किरन नाडर म्यूज़ियम ऑफ़ आर्ट, नयी दिल्ली
- शान्तुनु दत्त, दिल्ली

Book 1.indb 59 01/01/2010 9:38:09

श्री राम जानकी मन्दिर कोटा (राजस्थान)

रामलील जयपुर

राम मन्दिर जयपुर

रामलीला बीकानेर

रामलीला कोटा

खण्ड–26

राजस्थान

- **स्थापत्य कला–राम मन्दिर, हनुमान मन्दिर, जानकी मन्दिर आदि**
- **मूर्ति कला–टेराकोटा, पत्थर, काष्ठ, धातु आदि शिल्प**
- **चित्रकला–लोक चित्र, पारम्परिक चित्र, आधुनिक चित्र**
- **संगीत कला–गायन, वादन एवं नृत्य**
- **रामलीला–मैदानी रामलीला, मंचीय रामलीला, शौक़िया रामलीला, रामायण बैले**
- **लोक साहित्य, लोकगीत एवं लोक परम्पराएँ**
- **अन्य**

सम्पादक मण्डल

- श्रीकृष्ण जुगनू, पत्रकार, संस्कृति विशेषज्ञ, उदयपुर
- श्री लईक हुसैन, निदेशक, भारतीय लोक कला मण्डल, उदयुपर
- डॉ. सूरजमल राव, डिप्टी रजिस्ट्रार, महर्षि दयानन्द सरस्वती विश्वविद्यालय, अजमेर
- डॉ. प्रताप पिंजानी
- श्री महेन्द्र भागवत, उदयपुर

Book 1.indb 61 01/01/2010 9:38:12

हनुमान टोक गंगटोक सिक्किम

हनुमान टोक (गंगटोक)

नामची सिक्किम

हनुमान टोक मन्दिर सिक्कम

रामनोमी सिक्किम

हनुमान मूर्ति सिक्कम

खण्ड–27

सिक्किम

- **स्थापत्य कला–राम मन्दिर, हनुमान मन्दिर, जानकी मन्दिर आदि**
- **मूर्ति कला–टेराकोटा, पत्थर, काष्ठ, धातु आदि शिल्प**
- **चित्रकला–लोक चित्र, पारम्परिक चित्र, आधुनिक चित्र**
- **संगीत कला–गायन, वादन एवं नृत्य**
- **रामलीला–मैदानी रामलीला, मंचीय रामलीला, शौक़िया रामलीला, रामायण बैले**
- **लोक साहित्य, लोकगीत एवं लोक परम्पराएँ**
- **अन्य**

सम्पादक मण्डल

- डॉ. दिनेश साहू, प्रभारी अध्यक्ष, हिन्दी विभाग, सिक्किम विश्वविद्यालय, गंगटोक
- प्रो. चूँकि भूटिया, हिन्दी विभाग, केन्द्रीय विश्वविद्यालय, सिक्किम

Book 1.indb 63 01/01/2010 9:38:15

शंकराचार्य श्रीनगर
राम यात्रा जम्मू
रघुनाथ मन्दिर जम्मू
इस्कॉन मन्दिर श्रीनगर
रामलीला श्रीनगर
धर्मार्थ ट्रस्ट जम्मू-कश्मीर

खण्ड–28

जम्मू–कश्मीर

- स्थापत्य कला–राम मन्दिर, हनुमान मन्दिर, जानकी मन्दिर आदि
- मूर्ति कला–टेराकोटा, पत्थर, काष्ठ, धातु आदि शिल्प
- चित्रकला–लोक चित्र, पारम्परिक चित्र, आधुनिक चित्र
- संगीत कला–गायन, वादन एवं नृत्य
- रामलीला–मैदानी रामलीला, मंचीय रामलीला, शौक़िया रामलीला, रामायण बैले
- लोक साहित्य, लोकगीत एवं लोक परम्पराएँ
- अन्य

सम्पादक मण्डल

- डॉ. प्रेरणा चतुर्वेदी
- डॉ. विनय कुमार शुक्ला

Book 1.indb 65 01/01/2010 9:38:18

खण्ड–29

मेघालय

- **स्थापत्य कला–राम मन्दिर, हनुमान मन्दिर, जानकी मन्दिर आदि**
- **मूर्ति कला–टेराकोटा, पत्थर, काष्ठ, धातु आदि शिल्प**
- **चित्रकला–लोक चित्र, पारम्परिक चित्र, आधुनिक चित्र**
- **संगीत कला–गायन, वादन एवं नृत्य**
- **रामलीला–मैदानी रामलीला, मंचीय रामलीला, शौक़िया रामलीला, रामायण बैले**
- **लोक साहित्य, लोकगीत एवं लोक परम्पराएँ**
- **अन्य**

सम्पादक मण्डल

- प्रो. दिनेश कुमार चौबे, शिलांग
- सुश्री नन्दिता चक्रवर्ती

Book 1.indb 66 01/01/2010 9:38:21

खण्ड–30

मिजोरम

- स्थापत्य कला–राम मन्दिर, हनुमान मन्दिर, जानकी मन्दिर आदि
- मूर्ति कला–टेराकोटा, पत्थर, काष्ठ, धातु आदि शिल्प
- चित्रकला–लोक चित्र, पारम्परिक चित्र, आधुनिक चित्र
- संगीत कला–गायन, वादन एवं नृत्य
- रामलीला–मैदानी रामलीला, मंचीय रामलीला, शौकिया रामलीला, रामायण बैले
- लोक साहित्य, लोकगीत एवं लोक परम्पराएँ
- अन्य

सम्पादक मण्डल

- प्रो. संजय सिंह, मिजोरम विश्वविद्यालय, मिजोरम
- डॉ. सुषमा कुमारी

Book 1.indb 67 01/01/2010 9:38:24

खण्ड–31

अरूणाचल प्रदेश

- **स्थापत्य कला–राम मन्दिर, हनुमान मन्दिर, जानकी मन्दिर आदि**
- **मूर्ति कला–टेराकोटा, पत्थर, काष्ठ, धातु आदि शिल्प**
- **चित्रकला–लोक चित्र, पारम्परिक चित्र, आधुनिक चित्र**
- **संगीत कला–गायन, वादन एवं नृत्य**
- **रामलीला–मैदानी रामलीला, मंचीय रामलीला, शौक़िया रामलीला, रामायण बैले**
- **लोक साहित्य, लोकगीत एवं लोक परम्पराएँ**
- **अन्य**

सम्पादक मण्डल

- प्रो. हरीश कुमार शर्मा, एसोसिएट प्रोफ़ेसर, राजीव गाँधी विश्वविद्यालय, ईटानगर
- डॉ. जोराम आनिया ताना, डेरा नातुंग कालेज

Book 1.indb 68 01/01/2010 9:38:27

खण्ड–32

नागालैण्ड

- स्थापत्य कला–राम मन्दिर, हनुमान मन्दिर, जानकी मन्दिर आदि
- मूर्ति कला–टेराकोटा, पत्थर, काष्ठ, धातु आदि शिल्प
- चित्रकला–लोक चित्र, पारम्परिक चित्र, आधुनिक चित्र
- संगीत कला–गायन, वादन एवं नृत्य
- रामलीला–मैदानी रामलीला, मंचीय रामलीला, शौक़िया रामलीला, रामायण बैले
- लोक साहित्य, लोकगीत एवं लोक परम्पराएँ
- अन्य

सम्पादक मण्डल

- डॉ. अनुज गुप्ता, हिन्दी विभाग, नागालैण्ड विश्वविद्यालय

Book 1.indb 69 01/01/2010 9:38:31

खण्ड–33

अण्डमान निकोबार, दमन द्वीव (केन्द्र शासित प्रदेश)

- **स्थापत्य कला–राम मन्दिर, हनुमान मन्दिर, जानकी मन्दिर आदि**
- **मूर्ति कला–टेराकोटा, पत्थर, काष्ठ, धातु आदि शिल्प**
- **चित्रकला–लोक चित्र, पारम्परिक चित्र, आधुनिक चित्र**
- **संगीत कला–गायन, वादन एवं नृत्य**
- **रामलीला–मैदानी रामलीला, मंचीय रामलीला, शौक़िया रामलीला, रामायण बैले**
- **लोक साहित्य, लोकगीत एवं लोक परम्पराएँ**
- **अन्य**

सम्पादक मण्डल

- पद्मश्री नरेश चन्द्र लाल, रामलीला विशेषज्ञ

Book 1.indb 70 01/01/2010 9:38:34

दक्षिण–पूर्व एशिया

CHINA
TIBET
BHUTAN
BANGLADESH
I N D I A
MYANMAR
Bay of Bengal
LAOS
THAILAND
CAMBODIA
C H I N A
TAIWAN
South China Sea
PHILIPPINES
Pacific Ocean
M A L A Y S I A
BRUNEI
PALAU
Sumatra
Borneo
Indian Ocean
I N D O N E S I A
I N D O N E S I A
EAST TIMOR
PAPUA NEW GUINEA
A U S T R A L I A
LEGEND

रामलीला थाईलैण्ड

अयूथ्या मन्दिर थाईलैण्ड

थाईलैण्ड में वाल्मीकि रामायण सम्बिन्धत मन्दिर

थाईलैण्ड में राम की अयोध्या

रामलीला थाईलैण्ड

खण्ड–1

थाईलैण्ड

- **स्थापत्य कला–राम मन्दिर, हनुमान मन्दिर आदि**
- **मूर्ति कला–राष्ट्रीय संग्रहालय एवं अन्य संग्रहालयों में टेराकोटा, पत्थर, काष्ठ, धातु आदि शिल्प**
- **चित्रकला–लोक चित्र, पारम्परिक चित्र, आधुनिक चित्र**
- **थाईलैण्ड की साहित्य परम्परा में रामायण**
- **खोन रामलीला**
- **खोन रामलीला के मुकुट, मुखौटे, अस्त्र–शस्त्र**
- **थाईलैण्ड में रामायण सर्किट के विभिन्न स्थल**
- **थाईलैण्ड की सड़कों एवं पुलों आदि के नामकरण**
- **बैंकाक पैलेस में रामकियन रामायण का अंकन**
- **राष्ट्रीय संग्रहालय, बैंकाक में रामायण विरासत**

सम्पादक मण्डल

- प्रो. चिरापट्ट प्रपण्डविद्या, संस्कृत विद्वान, बैंकाक
- श्री सुशील कुमार धानुका, अध्यक्ष, थाई भारत कल्चरल लॉज, बैंकाक
- सुश्री चरैया धर्मबूमि, ललित कला अकादमी, बैंकाक
- श्रीमती अनीता बोस, पूर्व क्यूरेटर, राष्ट्रीय संग्रहालय, बैंकाक

Book 1.indb 73 01/01/2010 9:38:38

रामलीला कम्बोडिया

कम्बोडिया

खमेर राज्य कम्बोडिया

वस्तुकला विष्णु मन्दिर कम्बोडिया

रामलीला कम्बोडिया

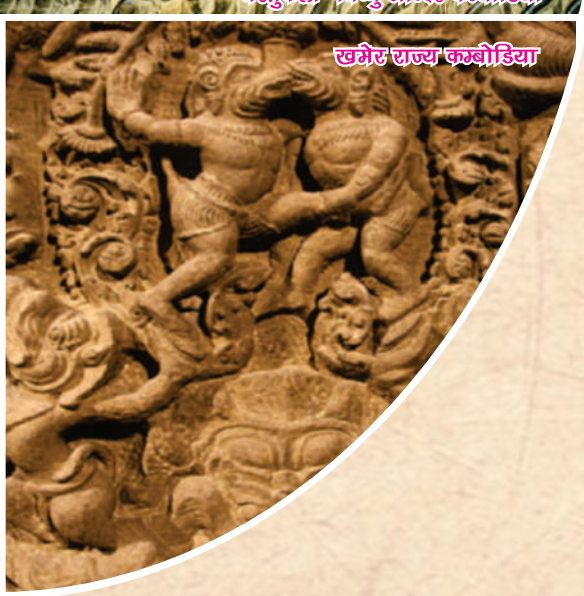

खमेर राज्य कम्बोडिया

खण्ड–2

कम्बोडिया

- **स्थापत्य कला–राम मन्दिर, हनुमान मन्दिर आदि**
- **मूर्ति कला–राष्ट्रीय संग्रहालय एवं अन्य संग्रहालयों में टेराकोटा, पत्थर, काष्ठ, धातु आदि शिल्प**
- **चित्रकला–लोक चित्र, पारम्परिक चित्र, आधुनिक चित्र, पपेट**
- **कम्बोडिया की साहित्य परम्परा में रामायण**
- **रामलीला**
- **रामलीला के मुकुट, मुखौटे, अस्त्र–शस्त्र**
- **अंकोरवाट, वाल्मीकि मन्दिर तथा राजमहल की दीवारों पर रामायण पेंटिंग**

सम्पादक मण्डल

- प्रो. सी. उपेन्द्र राव, स्कूल ऑफ़ संस्कृत एण्ड इण्डिक स्टडी, जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, नयी दिल्ली
- प्रो. सच्चिदानन्द सहाय, रामायण स्कॉलर, अंकोरवाट, कम्बोडिया
- खत्तना पी., कम्बोडिया

Book 1.indb 75 01/01/2010 9:38:41

खण्ड–3

वियतनाम

- स्थापत्य कला–राम मन्दिर, हनुमान मन्दिर आदि
- मूर्ति कला–राष्ट्रीय संग्रहालय एवं अन्य संग्रहालयों में टेराकोटा, पत्थर, काष्ठ, धातु आदि शिल्प
- चित्रकला–लोक चित्र, पारम्परिक चित्र, आधुनिक चित्र, पपेट
- वियतनाम की साहित्य परम्परा में रामायण
- रामलीला
- रामलीला के मुकुट, मुखौटे, अस्त्र–शस्त्र
- वाल्मीकि मन्दिर तथा दनंग में भारतीय संस्कृति

सम्पादक मण्डल

- डॉ. हरीशा झा, निदेशक, एस.वी.सी.सी. हनोई, वियतनाम

Book 1.indb 76 01/01/2010 9:38:44

खण्ड–4

लाओस

- स्थापत्य कला–राम मन्दिर, हनुमान मन्दिर आदि
- मूर्ति कला–राष्ट्रीय संग्रहालय एवं अन्य संग्रहालयों में टेराकोटा, पत्थर, काष्ठ, धातु आदि शिल्प
- चित्रकला–लोक चित्र, पारम्परिक चित्र, आधुनिक चित्र, पपेट
- लाओस की साहित्य परम्परा में रामायण
- रामायण के निरन्तर 23 वर्षों के प्रदर्शन में राष्ट्रीय संग्रहालय लुअंग प्रबंग की भूमिका
- लुअंग प्रबंग की रामायण प्रस्तुति का इतिहास एवं वर्तमान
- रामलीला के मुकुट, मुखौटे, अस्त्र–शस्त्र

सम्पादक मण्डल

- प्रो. चिरापट्ट प्रपण्डविद्या, संस्कृत विद्वान, बैंकाक
- निदेशक, राष्ट्रीय संग्रहालय, लुअंग प्रबंग

Book 1.indb 77 01/01/2010 9:38:47

खण्ड–5

फिलीपींस

- **विश्व का सबसे आकर्षक एवं वृहत् रामायण बैले**

सम्पादक मण्डल

- श्री स्टीवन पी.सी. फर्नांडीज, मनीला

Book 1.indb 78 01/01/2010 9:38:49

खण्ड–6

मलेशिया

- **कलाओं में रामायण**
- **पपेट कला में रामायण**
- **नाट्य परम्परा में रामायण**
- **आधुनिक शैली में रामायण**

सम्पादक मण्डल

- पद्मश्री रामली इब्राहीम, कलाकार एवं कला समीक्षक, कुवालालमपुर
- प्रो. गुलाम सरवर युसूफ, वरिष्ठ कला समीक्षक एवं प्रोफ़ेसर, कुवालालमपुर

Book 1.indb 79 01/01/2010 9:38:51

खण्ड–7

म्यांमार

- स्थापत्य कला–राम मन्दिर, हनुमान मन्दिर आदि
- मूर्ति कला–राष्ट्रीय संग्रहालय एवं अन्य संग्रहालयों में टेराकोटा, पत्थर, काष्ठ, धातु आदि शिल्प
- कलाओं में रामायण
- पपेट कला में रामायण
- लघु चित्र शैलियों में रामायण
- नाट्य परम्परा में रामायण
- आधुनिक शैली में रामायण

सम्पादक मण्डल

- Mrs. Bapat, Myanmar
- Dr. Asawari Bapat, Yangon, Myanmar

Book 1.indb 80 01/01/2010 9:38:54

खण्ड–8

इण्डोनेशिया

- स्थापत्य कला–राम मन्दिर, हनुमान मन्दिर आदि
- मूर्ति कला–राष्ट्रीय संग्रहालय एवं अन्य संग्रहालयों में टेराकोटा, पत्थर, काष्ठ, धातु आदि शिल्प
- इण्डोनेशिया की संस्कृति एवं परम्पराएँ
- बाली की कलाओं में रामायण
- बाली के चौराहों के स्थापत्य में रामायण अंकन
- पपेट कला में रामायण
- रामायण मंचन–वेशभूषा, आभूषण, अस्त्र–शस्त्र, संगीत, कथानक
- जोग जकार्ता में पुराविसाता संस्था द्वारा निरन्तर 43 वर्षों से रामायण का मंचन
- जोग जकार्ता में स्थापत्य एवं मूर्ति कला
- आधुनिक शैली में रामायण

सम्पादक मण्डल

- Pro. Ida Auy Gde Yadanyawati, Bali/Indonessia
- Mr. Dharm Yash, Hindu Religion and Culture Specialist Jakarta/Bali
- Mrs. Ida Megawati, Purawisata Theatre Yogyakarta
- Mr. Danam, Chairman, Purawisata Theatre Yogyaka

Book 1.indb 81 01/01/2010 9:38:56

मध्य-पूर्व

खण्ड–1

ईरान एवं इराक

- बेलुला घाटी में राम एवं हनुमान अंकन
- ईरान के कुर्द क्षेत्र में सनातन संस्कृति के तत्त्व

सम्पादक मण्डल

- ????

Book 1.indb 83 01/01/2010 9:39:01

यूरेशिया

खण्ड–1

रूस

- **रूस में रामलीला परम्परा एवं गेन्नादी पिचनिकोव**
- **वारान्निकोह द्वारा रामचरितमानस का अनुवाद**
- **रूस के विश्वविद्यालयों द्वारा किये गये शोध कार्य**
- **रूस के बौद्ध मठों की रामायण की पाण्डुलिपियाँ**

सम्पादक मण्डल

- श्री रामेश्वर सिंह, अध्यक्ष, दिशा, रूसी भारतीय मैत्री संघ, मास्को
- प्रो. शाइदा, अजरबैजान विश्वविद्यालय, बाकू
- श्रीमती रूपाली, हिन्दी चेयर, बाकू
- कृष्णा रॉय, मास्को
- अलेक्जॉदरा कोनेवा, डिप्टी रेक्टर, यएशरोफ थियेटर इंस्टीट्यूट, उप निदेशक, पद्मश्री गेनादी पेचनीकोव, दिशा रामलीला, रामलीला भूमिका (कैकयी), मास्को
- नादेज्दा सिंह, उपाध्यक्ष, रूसी–भारतीय मैत्री संघ, दिशा एवं तकनीकि निदेशिका, दिशा पत्रिका, पद्मश्री गेनादी पेचनीकोव, दिशा रामलीला, रामलीला भूमिका (कैकयी), मास्को
- डॉ. अन्ना चेलनेकोवा, सहायक प्रो. हिन्दी विभाग, स्टेट यूनिवर्सिटी सेंट्पीटर्सवर्ग पी.एच.डी.
- प्रो. खोखलोवा ल्यूदमीला, प्रो. हिन्दी विभाग, मानवीकी विश्वविद्यालय, मास्को
- श्री सुशील कुमार आज़ाद, वरिष्ठ हिन्दी प्राध्यापक एवं साहित्यकार, एम्बेसी स्कूल ऑफ़ इंडिया, मास्को
- प्रो. (डॉ.) एवगे़नीय बानाना, प्रो. (डी.लिट्) अकेडमी ऑफ़ साइंस अकेडमी ऑफ़ ओरिएंटल स्टडीज़ आर.ए.एस., मास्को
- प्रो. (डॉ.) ततियाना शायूमयां, प्रो. भारतीय अध्ययन केन्द्र, अकेडमी ऑफ़ साइंस अकेडमी ऑफ़ ओरिएंटल स्टडीज़ आर.ए.एस., मास्को

Book 1.indb 85 01/01/2010 9:39:06

- प्रो. (डॉ.) ततियाना शायूमयां, प्रो. भारतीय अध्ययन केन्द्र, अकेडमी ऑफ़ साइंस अकेडमी ऑफ़ ओरिएंटल स्टडीज़ आर.ए.एस., मास्को
- प्रो. इन्दिरा गाजीवा, सहायक प्रो. रूसी राजकीय मानवीय विश्वविद्यालय, मास्को
- प्रो. (डॉ.) बोरिस जखारिन, प्रो. संस्कृत विभाग, मानवीकी विश्वविद्यालय, मास्को
- प्रो. अलेक्जाँदरा स्तोल्यारोव, सहायक प्रो. रूसी राजकीय मानवीय विश्वविद्यालय, मास्को
- सुश्री रीमा वालिल्वा, अध्यापिका, रूसी स्कूल, पेंटर (राम लीला), मास्को
- प्रो. गुज़ेल मरात्खुजीना, प्रो. कजान फेडरल विश्वविद्यालय, कजान
- श्री अभिषेक विक्रम सिंह, तकनीकि सहायक, रूसी भारतीय मैत्री संघ 'दिशा'

Book 1.indb 86 01/01/2010 9:39:08

खण्ड–2

तजाकिस्तान एवं अन्य देश

- **रामायण परम्पराएँ**
- **रामलीला परम्परा**

सम्पादक मण्डल

- प्रो. सिराजुद्दीन, ताशकंद
- Assoc. Prof. Dariga Kokeyeva, Indian Studies Department, Oriental Studies Faculty, Al-Farabi Kazakh National University, Almaty, Kazakhstan

Book 1.indb 87 01/01/2010 9:39:11

कैरेबियन देश

खण्ड–1

त्रिनिडाड एवं टोबैगो

- **स्थापत्य कला–राम मन्दिर, हनुमान मन्दिर, जानकी मन्दिर आदि**
- **मूर्ति कला–राष्ट्रीय संग्रहालय एवं अन्य संग्रहालयों में टेराकोटा, पत्थर, काष्ठ, धातु आदि शिल्प**
- **प्रवासी भारतीयों द्वारा रामायण एवं रामलीला की परम्परा**
- **त्रिनिडाड एवं टोबैगो के स्कूलों में रामलीला मंचन**
- **भारतीय संस्कृति एवं रामायण के विकास में दिवाली नगर का योगदान**
- **विभिन्न मैदानी रामलीलाओं का उद्भव एवं विकास**
- **मैदानी रामलीलाओं में प्रयुक्त होने वाले वस्त्र, मुखौटे, अस्त्र–शस्त्र के निर्माण की परम्परा**
- **त्रिनिडाड एवं टोबैगो की रामलीला समितियाँः उद्भव एवं विकास**
- **विभिन्न साहित्य एवं रामायण**
- **100 वर्ष से अधिक आयु के महानुभावों द्वारा रामायण गायन आदि परम्पराओं/संस्कारों का संरक्षण**

सम्पादक मण्डल

- सुश्री पण्डिता इन्द्राणी रामप्रसाद, भारतीय एवं विदेश की मैदानी रामलीलाओं की विशेषज्ञ एवं अयोध्या शोध विकास समिति की सदस्य, पोर्ट ऑफ़ स्पेन
- श्री सतनारायण बालकरन सिंह, भारतीय संस्कृति विशेषज्ञ एवं कलाकार, पोर्ट ऑफ़ स्पेन
- श्री कृष्णमूर्ति, रामलीला कलाकार एवं सामाजिक कार्यकर्ता, पोर्ट ऑफ़ स्पेन

Book 1.indb 89 01/01/2010 9:39:16

खण्ड–2

सूरीनाम

- **स्थापत्य कला–राम मन्दिर, हनुमान मन्दिर, जानकी मन्दिर आदि**
- **मूर्ति कला–राष्ट्रीय संग्रहालय एवं अन्य संग्रहालयों में टेराकोटा, पत्थर, काष्ठ, धातु आदि शिल्प**
- **प्रवासी भारतीयों द्वारा रामायण एवं रामलीला की परम्परा**
- **सूरीनाम के स्कूलों में रामलीला मंचन**
- **विभिन्न मैदानी रामलीलाओं का उद्भव एवं विकास**
- **मैदानी रामलीलाओं में प्रयुक्त होने वाले वस्त्र, मुखौटे, अस्त्र–शस्त्र के निर्माण की परम्परा**
- **सूरीनाम की रामलीला समितियाँः उद्भव एवं विकास**
- **विभिन्न साहित्य एवं रामायण**
- **100 वर्ष से अधिक आयु के महानुभावों द्वारा रामायण गायन आदि परम्पराओं/संस्कारों का संरक्षण**

सम्पादक मण्डल

- श्री अमरीका अनिरुद्ध तिवारी, परामिबियो
- सूरीनाम की चार रामलीला समितियों से एक–एक सदस्य

Book 1.indb 90 01/01/2010 9:39:19

खण्ड–3

गयाना

- शिल्पस्थापत्य कला–राम मन्दिर, हनुमान मन्दिर, जानकी मन्दिर आदि
- मूर्ति कला–राष्ट्रीय संग्रहालय एवं अन्य संग्रहालयों में टेराकोटा, पत्थर, काष्ठ, धातु आदि शिल्प
- प्रवासी भारतीयों द्वारा रामायण एवं रामलीला की परम्परा
- गयाना के स्कूलों में रामलीला मंचन
- विभिन्न मैदानी रामलीलाओं का उद्भव एवं विकास
- मैदानी रामलीलाओं में प्रयुक्त होने वाले वस्त्र, मुखौटे, अस्त्र–शस्त्र के निर्माण की परम्परा
- गयाना की रामलीला समितियाँः उद्भव एवं विकास
- विभिन्न साहित्य एवं रामायण
- 100 वर्ष से अधिक आयु के महानुभावों द्वारा रामायण गायन आदि परम्पराओं/संस्कारों का संरक्षण
- गयाना में भारतीय संस्कृति और रामलीला के संरक्षण एवं विकास में हिन्दू महासभा का योगदान

सम्पादक मण्डल

- सुश्री पण्डित इन्द्राणी रामप्रसाद, पोर्ट ऑफ़ स्पेन
- श्रीमती विन्ध्या प्रसाद, माननीय सांसद, गयाना

Book 1.indb 91 01/01/2010 9:39:21

अफ्रीका एवं मॉरीशस

खण्ड–1

मॉरीशस

- **प्रवासी भारतीयों द्वारा रामायण एवं रामलीला की परम्परा**
- **मॉरीशस के स्कूलों में रामायण गान**
- **विभिन्न साहित्य एवं रामायण**
- **100 वर्ष से अधिक आयु के महानुभावों द्वारा रामायण गायन आदि परम्पराओं/संस्कारों का संरक्षण**
- **मॉरीशस में भारतीय संस्कृति एवं रामायण के संरक्षण एवं विकास में रामायण सेंटर मॉरीशस की भूमिका**

सम्पादक मण्डल

- पण्डित राजेन्द्र अरुण, अध्यक्ष, रामायण सेंटर, पोर्ट लुई, मॉरीशस
- श्रीमती विनोद बाला अरुण, सचिव, रामायण सेंटर, पोर्ट लुई, मॉरीशस
- श्री यान्तूदेव बुधु, भारतीय संस्कृति एवं साहित्य विशेषज्ञ, पोर्ट लुई, मॉरीशस
- मोका

Book 1.indb 93 01/01/2010 9:39:26

खण्ड–2

अफ्रीका एवं अन्य देश

- **जनजातीय परम्पराओं में राम**

सम्पादक मण्डल

- डॉ. राधा वेंकटेश्वरम्
- श्री के.सी. जैन, दक्षिण अफ्रीका रामायण परम्परा विशेषज्ञ, जबलपुर

Book 1.indb 94 01/01/2010 9:39:29

ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैण्ड एवं फीजी

खण्ड–1

फीजी

- **प्रवासी भारतीयों द्वारा रामायण एवं रामलीला की परम्परा**
- **फीजी के स्कूलों में रामायण गान**
- **विभिन्न साहित्य एवं रामायण तथा फीजी भाषा में रामकथा**
- **100 वर्ष से अधिक आयु के महानुभावों द्वारा रामायण गायन आदि परम्पराओं/संस्कारों का संरक्षण**
- **फीजी में भारतीय संस्कृति एवं रामायण के संरक्षण एवं विकास में विभिन्न रामायण गायन समितियों का योगदान**
- **रामायण सेंटर, फीजी**

सम्पादक मण्डल

- श्री अखिलेश, सुआ, फीजी
- श्री रवि, ऑकलैण्ड एवं फीजी
- Mr. Indranil Haldar and Joel Mark from Australia
- Smt. Rosy Akbar, Minister for Education, Heritage and Arts, Fiji Islands
- श्री सन्तोष के. मिश्रा, निदेशक स्वामी विवेकानन्द कल्चर सेंटर, हाई कमीशन ऑफ़ इंडिया, सुआ, फीजी
- Then India Sanmarga Ikya Sangam
- श्री सनातन धर्म प्रनितिधि सभा, फीजी
- शिख गुरुद्वारा प्रबन्धक कमीटी आर्य प्रतिनिधि सभा, फीजी
- कवीर सन्त धर्म प्रचारक महा सभा
- श्री सनातन धर्म पुरोहित ब्रह्मण महा सभा, फीजी
- गंदजरवा संगीतालय

Book 1.indb 96 01/01/2010 9:39:34

- The Fiji Sevashram Sangh
- गुजरात समाज, फीजी
- विश्व हिन्दू परिषद्, फीजी
- हिन्दी परिषद्, फीजी
- फीजी हिन्दू सोसायटी
- India Fiji Friendship Forum
- University of The South Pacific, Fiji
- University of Fiji
- Fiji National University

Book 1.indb 97 01/01/2010 9:39:36

खण्ड–2

न्यूजीलैण्ड/ऑस्ट्रेलिया

- **राम मन्दिरों का योगदान**
- **रामायण गायन तथा अन्य गतिविधियों में रामायण**
- **स्कूलों की गतिविधियों में रामायण**
- **विभिन्न सांस्कृतिक समितियाँ**

सम्पादक मण्डल

- श्री प्रवीण कुमार, ऑकलैण्ड
- श्री रवि, ऑकलैण्ड
- Mr. Indranil Haldar and Joel Mark, Australia

Book 1.indb 98 01/01/2010 9:39:38

पूर्व एशियाई देश

खण्ड–1

चीन

- मंकी किंग एवं हनुमान की परम्परा
- कॉमिक्स में रामायण
- विभिन्न साहित्य में रामायण
- चित्र, नाट्य एवं नृत्य कला में रामायण

सम्पादक मण्डल

- ?????

Book 1.indb 100 01/01/2010 9:39:43

खण्ड–2

जापान

- मंकी किंग एवं हनुमान की परम्परा
- कॉमिक्स में रामायण
- विभिन्न साहित्य में रामायण
- चित्र, नाट्य एवं नृत्य कला में रामायण

सम्पादक मण्डल

- Yutaka Ishii, Japan

Book 1.indb 101 01/01/2010 9:39:46

खण्ड–3

तिब्बत एवं मंगोलिया

- बौद्ध मठों का रामायण के विकास में योगदान
- महापण्डित राहुल सांकृत्यायन का रामायण के विकास में योगदान
- विभिन्न साहित्य में रामायण
- चित्र, नाट्य एवं नृत्य कला में रामायण

सम्पादक मण्डल

- ?????

Book 1.indb 102 01/01/2010 9:39:48

उत्तर-मध्य-दक्षिण अमेरिका

खण्ड–1

होण्डुरास, पेरू, ब्राजील, ग्वाटेमाला

- **जनजातीय परम्पराओं में रामायण का प्रभाव**
- **होण्डुरास के घने जंगलों में अहिरावण प्रसंग, पाताल लोक के पुरातात्विक साक्ष्य**
- **माया सभ्यता और भारतीय संस्कृति**
- **पेरू में सूर्य उत्सव**
- **पेरू की कला और संस्कृति तथा भारतीय संस्कृति की समानता**
- **कैलीफोर्निया के माउण्ट मैडोना स्कूल की रामलीला**
- **सैनफ्रांसिसको के राष्ट्रीय संग्रहालय की एशिया गैलरी में रामायण मूर्तियाँ एवं चित्र**

सम्पादक मण्डल

- डॉ. नचिकेता तिवारी, आई.टी., कानपुर
- प्रो. अरविन्द शर्मा, सम्पादक, इनसायक्लोपीडिया ऑफ़ हिन्दूइज़्म
- श्री कल्याण विश्वनाथन, अध्यक्ष, हिन्दू विश्वविद्यालय, अमेरिका
- डॉ. नीलम जैन, एच–202, डैफोडिल्स मागर पत्ता सिटी, पुणे
- सुश्री सोनिया तनेजा, हिन्दी प्रवक्ता, कैलीफोर्निया
- सुश्री प्रांजलि सिरसाव, पूर्व हिन्दी प्रवक्ता, कैलीफोर्निया
- डॉ. राज गुप्ता
- प्रो. विन्ध्येश्वरी अग्रवाल, न्यूयॉर्क
- प्रो. नीलू गुप्ता, कैलीफोर्निया
- श्रीमती अंजू मिश्रा, कैलीफोर्निया
- प्रो. ओम गुप्ता, रामायण विशेषज्ञ, हयूंस्टन
- सुश्री इला
- सुश्री हेम प्रभा ओसवाल

Book 1.indb 104 01/01/2010 9:39:53

- Mr. Geovanni Lombardi, Panama
- Mr. Michael, USA
- Mrs. Gail Kalmar, Vancouver, Colombia
- Dr. Wim Brosben, Canada
- Dr. Nilesh Nilkanth Oak, USA
- Prof. Balaram Singh, USA

Book 1.indb 105 01/01/2010 9:39:56

यूरोप

खण्ड–1

इटली, इंग्लैण्ड, बेल्जियम, फ्रांस, पोलैण्ड

- **इटली की एट्रक्शन सभ्यता के उद्भव और विकास में रामायण तत्त्व**
- **इंग्लैण्ड के साहित्यिक परिदृश्य में रामकथा**
- **फादर कामिल बुल्के एवं उनका पैतृक गाँव**
- **यूरोपीय साहित्यकारों द्वारा रामायण/रामचरितमानस अनुवाद**
- **कला और संस्कृति में रामायण का प्रभाव**
- **स्कूलों में रामलीला तथा रामायण चित्रकला**

सम्पादक मण्डल

- श्री सुधांशु कुमार शुक्ला, हिन्दी प्रवक्ता, वारसा विश्वविद्यालय, पोलैण्ड
- Nathalie Jailet, France
- Christel Piltz, Germany

Book 1.indb 107 01/01/2010 9:40:01

भारत के पड़ोसी देश

खण्ड–1

पाकिस्तान

- पाकिस्तान के स्थापत्य में रामायण
- रामकथा से सम्बन्धित पाकिस्तान के विभिन्न स्थल
- पाकिस्तान के विभिन्न संग्रहालयों/पुस्तकालयों में संगृहीत महाराजा रणजीत सिंह द्वारा सृजित रामायण की विभिन्न पाण्डुलिपियाँ
- पाकिस्तान की चित्रकला तथा अन्य कलाओं में रामायण
- रामायण के संरक्षण एवं विकास में तक्षशिला विश्वविद्यालय एवं राष्ट्रीय संग्रहालय लाहौर का योगदान
- अरबी एवं फ़ारसी लिपि में लिखी गयी रामायण

सम्पादक मण्डल

- प्रो. हरमहेन्द्र सिंह बेदी, कुलपति, केन्द्रीय विश्वविद्यालय, धर्मशाला, हिमाचल प्रदेश

Book 1.indb 109 01/01/2010 9:40:05

खण्ड–2

श्रीलंका

- स्थापत्य कला–राम मन्दिर, हनुमान मन्दिर, जानकी मन्दिर, विभीषण मन्दिर आदि
- मूर्ति कला–राष्ट्रीय संग्रहालय एवं अन्य संग्रहालयों में टेराकोटा, पत्थर, काष्ठ, धातु आदि शिल्प
- श्रीलंका में सांस्कृतिक पर्यटन एवं रामायण स्थल
- श्रीलंका की तमिल परम्परा में रामलीला एवं रामायण
- श्रीलंका की तमिल शैलियों की मैदानी रामलीलाएँ
- श्रीलंका की सिंहली परम्परा में रामलीला एवं रामायण
- श्रीलंका के चित्रकला में रामायण
- आधुनिक नाट्य–शैली एवं रामायण
- श्रीलंका की मध्यकालीन नाट्य–शैली में रामायण
- श्रीलंका में मूल, अनूदित साहित्य में रामायण
- श्रीलंका के नाट्य साहित्य में रामायण
- श्रीलंका के हस्तशिल्प में रामायण

सम्पादक मण्डल

- प्रो. वजीरा गुरुसेना, विभागाध्यक्ष, हिन्दी विभाग, कोलम्बो
- प्रो. आमिला दमयन्ती, हिन्दी विभाग, कोलम्बो
- सुश्री नदीरा शिवंती, हिन्दी शिक्षिका, कोलम्बो
- डॉ. शिरीन कुरैशी

Book 1.indb 110 01/01/2010 9:40:08

खण्ड–3

नेपाल

- नेपाल की सांस्कृतिक परम्परा एवं माता जानकी
- नेपाल की सांस्कृतिक परम्परा
- नेपाल की कला एवं साहित्य
- स्थापत्य एवं मूर्ति कला
- मधुबनी चित्रकला
- जनजातीय राजवंशी मुखौटे एवं रामायण

सम्पादक मण्डल

- श्री सुनील चौधरी, जनकपुर

Book 1.indb 111 01/01/2010 9:40:10

खण्ड–4

बांग्लादेश

- बांग्लादेश की प्राचीन गायन शैली में रामायण गायन
- टेराकोटा में रामायण अंकन
- आधुनिक बैले शैली में रामायण

सम्पादक मण्डल

- सुश्री वरदा रिहब, ढाँका

Book 1.indb 112 01/01/2010 9:40:13

साहित्य

खण्ड	भाषा	सम्पादक मण्डल
1	संस्कृत वांग्मय में राम	प्रो. राजेन्द्र मिश्र, शिमला प्रो. प्रभाकर सिंह, वाराणसी
2	हिन्दी	डॉ. योगेन्द्र प्रताप सिंह, प्रयागराज
3	अन्य विदेशी भाषा	श्री प्रदीप कुमार सिंह, मुम्बई

Book 1.indb 113 01/01/2010 9:40:15

Book 1.indb 114 01/01/2010 9:40:17

अयोध्या शोध संस्थान

- **स्थापना के उद्देश्य**
- **कार्य–शोध, सर्वेक्षण**
- **प्रकाशन–साक्षी पत्रिका एवं अन्य शोध ग्रन्थ**
- **सेमीनार**
- **हस्तशिल्प संग्रहालय**
- **अनवरत रामलीला**
- **बाल कार्यशालाएँ**
- **विदेशों में रामलीलाओं की प्रस्तुतियाँ**
- **विदेशों की रामलीलाओं की अयोध्या एवं उत्तर प्रदेश में प्रस्तुतियाँ**

सम्पादक मण्डल

- प्रो. जनार्दन उपाध्याय, पूर्व हिन्दी विभागाध्यक्ष, साकेत विश्वविद्यालय, अयोध्या
- श्री राम तीरथ, प्रशासनिक अधिकारी, अयोध्या शोध संस्थान, अयोध्या
- श्री हरि प्रसाद राय, रामलीला विशेषज्ञ/कलाकार, अयोध्या
- श्री घनश्याम अग्रहरि, नटराज स्टूडियो, अयोध्या
- डॉ. छेदी लाल, काष्यकार, साहित्यकार, वाराणसी
- श्री हर्षवर्धन सिंह, अयोध्या
- श्री देशराज उपाध्याय, अयोध्या

Book 1.indb 115 01/01/2010 9:40:19

कान्सेप्ट नोट

योजना का नाम : 'ग्लोबल इनसायक्लोपीडिया ऑफ़ रामायण'

योजना की अवधि : प्रारम्भ होने की तिथि से 05 वर्ष

योजना का उद्देश्य : भारतीय संस्कृति को राम के माध्यम से वैश्विक विस्तार को अभिलेखीकृत कर भावी पीढ़ी को वृहद् दस्तावेज़ उपलब्ध कराना तथा भारत की विदेश नीति में 'साफ्टपॉवर डिप्लोमेसी' के रूप में रामायण के सहयोग को प्रामाणिक रूप में प्रस्तुत करते हुए 'रामायण देशों के समूह' (Group of Ramayan Countries) की स्थापना का प्रयास।

प्रस्ताव : रामायण के मूर्त एवं अमूर्त विरासत के विविध पक्षों–स्थापत्य, मूर्ति, चित्र, संगीत, हस्तशिल्प, साहित्य आदि के साथ परम्पराओं, विश्वासों, मान्यताओं, रामलीलाओं आदि का विस्तार विश्व के लगभग सभी देशों में विद्यमान है। इन सभी मूर्त एवं अमूर्त विरासतों को संकलित करते हुए भारत में राज्यवार तथा विश्व के महाद्वीपों के देशों में रामायण कला, संस्कृति, साहित्य एवं जीवन पद्धति को क्रमबद्ध रूप में प्रस्तुत किया जायेगा। रामायण से सम्बन्धित ऐसी कोई भी सूचना जो प्रदेश, देश और विश्व के फलक पर उपलब्ध है उसका दस्तावेज़ीकरण किया जाना प्रस्तावित है। समस्त अभिलेख, दस्तावेज़ एवं शोध कार्य को 'इनसायक्लोपीडिया' के रूप में खण्ड एवं अध्यायों में प्रकाशित किया जायेगा।

कार्य योजना : रामायण मूर्त एवं अमूर्त विरासत के रूप में प्रदेश, देश और विश्व में इतना व्यापक है इसे भारतीय संस्कृति के पर्याय के रूप में भी स्वीकार किया जाता है। **'इनसायक्लोपीडिया ऑफ़ रामायण'** को ग्रन्थावली के रूप में प्रकाशित किये जाने हेतु निम्न बिन्दुओं पर कार्य किया जाना प्रस्तावित है:–

1. **'इनसायक्लोपीडिया ऑफ़ रामायण'** के प्रकाशन को विश्व में अन्य इनसायक्लोपीडिया के प्रकाशन को मानक आधार मानते हुए कला और संस्कृति के क्षेत्र से ऐतिहासिक एवं प्रामाणिक चित्र भी यथास्थान प्रस्तुत किये जायेंगे।
2. प्रकाशन की योजना को भारत में प्रत्येक राज्य को एक मानक इकाई के रूप में माना जायेगा।

Book 1.indb 116 01/01/2010 9:40:21

3. प्रत्येक राज्य में मूर्त एवं अमूर्त विरासतों को सूचीबद्ध किया जायेगा। इन विरासतों के आधार पर स्थापत्य, मूर्ति, चित्र, संगीत, साहित्य, रामलीलाओं, चित्र शैलियों आदि के साथ समस्त उपलब्ध सामग्रियों को प्रामाणिक रूप में सूचीबद्ध किया जायेगा।
4. प्रत्येक राज्य में विषयवस्तु के आधार पर श्रेष्ठतम विशेषज्ञों का चयन करते हुए नये शोधार्थियों की सेवाएँ भी स्थलीय सर्वेक्षण हेतु प्राप्त की जायेंगी।
5. राज्य स्तर पर एक उच्च स्तरीय परामर्श समिति होगी जिसके द्वारा समय–समय पर परामर्श प्रदान किया जायेगा।
6. प्रत्येक राज्य में सम्पादक मण्डल का गठन किया जायेगा। सम्पादक मण्डल के सभी सदस्यों को यह अधिकार होगा कि वे कार्य एवं विषयवस्तु से सम्बन्धित जिसे भी उपयोगी समझें उसे सहयोगी के रूप में नामित कर सकते हैं।
7. भारतीय संस्कृति के एक महत्त्वपूर्ण एवं विस्तृत क्षेत्र से रामायण एवं उसकी संस्कृति का सम्बन्ध है इसलिए प्रस्तुतीकरण/प्रकाशन में प्रामाणिकता का विशेष ध्यान दिया जायेगा।
8. स्थापत्य के प्रस्तुतीकरण में एक स्थापत्य के कम–से–कम 10 चित्र खींचे जायें जिसमें प्रकाशन हेतु समिति द्वारा एक या दो चित्रों का चयन किया जा सके। स्थापत्य का पूर्ण विवरण अंकित किया जाये जिसमें स्थापत्य की शैली, निर्माण का वर्ष, प्रयुक्त सामग्री, ऐतिहासिक महत्त्व, वर्तमान में स्थापत्य की आमजन एवं पर्यटन की दृष्टि से उपयोगिता।
9. मूर्ति का विवरण संकलित करते समय मूर्ति का शिल्प, प्रयुक्त सामग्री, ऊँचाई एवं लम्बाई की माप, इतिहास एवं वर्तमान में उसका महत्त्व आदि का संग्रह किया जायेगा।
10. चित्र की कई श्रेणियाँ हैं जैसे पारम्परिक चित्र शैली, लघु चित्र शैली, दीवार पर बनाये गये चित्र, लोक चित्र शैली, आधुनिक चित्र शैली आदि, इन सभी चित्र शैलियों में चित्र की परम्पराओं के क्षेत्र का भी सीमांकन किया जाये जिसमें उस विशेष शैली का किन क्षेत्रों में प्रभाव है वह सुस्पष्ट हो सके। भौगोलिक सीमांकन के साथ इतिहास एवं परम्पराओं का अंकन करते हुए वर्तमान में उपलब्ध वरिष्ठ एवं नवोदित चित्रकारों की सूची भी बनायी जाये। यह कार्य कल्चरल मैपिंग के लिए भी उपयोगी हो सकेगा।
11. सन् 2005 में यूनेस्को ने रामलीला को विश्व विरासत घोषित किया है। रामलीलाओं की अनेक शैलियाँ हैं जिनमें मैदानी रामलीला, मंचीय रामलीला, शौक़िया रामलीला आदि।
12. रामलीलाओं के दस्तावेज़ीकरण में सभी शैलियों की रामलीलाओं का इतिहास तथा विकास क्रमशः अंकित किया जायेगा।
13. रामलीलाओं की प्रस्तुतियों में जन सहयोग की बड़ी भूमिका है। वास्तव में रामलीलाएँ अमीर, ग़रीब, हिन्दू और मुसलमान की समस्त सीमा रेखा को पार कर आमजन में लोकप्रिय हैं। ऐसी

Book 1.indb 117 01/01/2010 9:40:24

स्थिति में जन सहभागिता के द्वारा रामलीलाओं के मंचन में समितियों का योगदान, कलाकारों का चयन एवं उनके प्रशिक्षण की पद्धतियाँ कैसी हैं, इसका भी मूल्यांकन किया जायेगा। सबसे बड़ी बात रामलीलाओं के मंचन पर यह है कि मुकुट, मुखौटों, वेशभूषा, अस्त्र–शस्त्र के निर्माण में पीढ़ी–दर–पीढ़ी परम्पराओं का अनुपालन किया जा रहा है। रामलीला समितियों के संचालन में समाज के व्यापक वर्ग का सहयोग प्राप्त होता है। इन सभी विवरणों को भी संकलित किया जाना प्रस्तावित है। सांस्कृतिक रामलीला के प्रस्तुतीकरण का आर्थिक आधार भी संकलित किया जायेगा। सामाजिक समरसता, मानव मूल्यों की स्थापना तथा उत्तर प्रदेश एवं भारत को वैश्विक स्तर पर एक सूत्र में बाँधने का रामलीला एक बहुत बड़ा आधार है इसलिए स्कूलों में रामलीला के पठन–पाठन, अध्ययन के साथ–ही–साथ प्रस्तुतीकरण के समस्त प्रयासों को दस्तावेजीकृत किया जायेगा।

14. भारत की सभी भाषाओं में तथा उनकी बोलियों एवं उप–बोलियों में भी रामकथा विस्तार से प्राप्त होती है। भाषाओं, बोलियों एवं उप–बोलियों के माध्यम से कथा, उपन्यास, कविता, काव्य, महाकाव्य, रामलीलाओं की स्क्रिप्ट आदि लिखी गयी हैं। यह एक अत्यन्त विस्तृत कार्य एवं क्षेत्र है जिसके लिए सभी भारतीय भाषाओं एवं विश्व भाषाओं के विशेषज्ञों के साथ–साथ लोक बोलियों के गायकों, रचनाकारों आदि का भी सहयोग प्राप्त किया जायेगा।
15. सभी भाषाओं की रामलीलाओं में संवाद प्रस्तुतीकरण तथा ऐसी पाण्डुलिपियों का संग्रह एवं दस्तावेज़ीकरण भी इस कार्ययोजना का एक प्रमुख पक्ष है।
16. जनजातीय भाषा, बोली एवं कला में भी रामकथाओं का विस्तृत सहयोग प्राप्त हुआ है। प्रारम्भिक रूप में रामकथाएँ जनजातीय एवं लोक के माध्यम से ही समाज में अपना स्थान बना सकी हैं। ऐसी परम्पराओं, मान्यताओं एवं अभिलेखों को भी यथोचित स्थान प्रदान किया जायेगा।
17. जनजातीय कलाकार, लोक कलाकार, हस्तशिल्प कलाकार जो रामकथाओं, रामायण के माध्यम से अपनी कला को विस्तारित कर रहे हैं उनकी कलाओं का दस्तावेज़ीकरण कार्य का प्रमुख पक्ष है जिसमें कलाओं की भौगोलिक सीमाओं का भी चिन्ह्कन करते हुए कला के इतिहास एवं विकास के साथ–साथ वर्तमान में वरिष्ठ एवं नवोदित कलाकारों की जानकारी भी उपलब्ध करायी जायेगी।
18. रामकथा अथवा रामायण के विकास में व्यास–परम्परा का भी बहुत बड़ा योगदान है। व्यास–परम्परा में ही रामायण की प्रस्तुति महर्षि वाल्मीकि द्वारा की गयी है। इसके पश्चात प्रत्येक युग में रामकथा पर आधारित प्रमुख व्यासों का उल्लेख प्राप्त होता है। उन सबका संकलन करते हुए वर्तमान में वरिष्ठ व्यास एवं नये लोकप्रिय व्यास का भी संक्षिप्त परिचय प्रदान किया जायेगा।

Book 1.indb 118 01/01/2010 9:40:26

19. आधुनिक चित्रकला शैलियों में भी रामायण का प्रयोग चित्रकारों द्वारा बड़ी कल्पनाशीलता से किया जा रहा है। इन सभी आधुनिक चित्रकारों को भी इस प्रकाशन में यथेष्ट स्थान प्राप्त होगा।
20. भारत में पारम्परिक 06 चित्र शैलियों में रामायण का अंकन प्राप्त होता है। इन सभी 06 चित्र शैलियों पर विशेष प्रकाशन किये जायेंगे। इनकी चित्र शैलियों के साथ कलाकारों का भी परिचय समाहित किया जायेगा।
21. स्कूलों में पाठ्यक्रमों के रूप में रामलीला का अध्यापन किया जाता है। कई देशों में डिप्लोमा पाठ्यक्रम भी संचालित हैं। कई देशों में संसद द्वारा रामलीलाओं के प्रदर्शन के लिए स्कूलों को विशेष निर्देश प्रदान किये गये है। प्रदेश, देश और विदेश में स्कूल की गतिविधियों में रामायण का दस्तावेज़ीकरण भी प्रमुखता से किया जायेगा।
22. विदेश में महाद्वीप/प्रायद्वीप के आधार पर रामकथाओं का विस्तार हुआ है। सभी महाद्वीप/प्रायद्वीप को एक खण्ड बनाते हुए फिर प्रत्येक देश की रामायण के स्थापत्य, मूर्ति, चित्र, संगीत, साहित्य एवं हस्तशिल्प का सर्वेक्षण करते हुए दस्तावेज़ीकरण किया जायेगा।
23. दक्षिण–पूर्व एशियाई देशों में प्रत्येक देश की एक रामायण है और उसी मूल रामायण के आधार पर रामलीलाओं का मंचन किया जाता है। इन रामलीलाओं में कोई प्रयोग नहीं होता है, इस कारण प्रत्येक देश की रामलीलाएँ अपने देश का प्रतिनिधित्व करती हैं। उनके मुकुट, मुखौटे, वेशभूषा, अस्त्र–शस्त्र एवं वाद्य यन्त्र भी विशेष होते हैं जिनकी मंचीय प्रस्तुति को दस्तावेज़ीकृत किया ही जायेगा, हमारा प्रमुख प्रयास मंच से इतर मुखौटों के निर्माण की प्रक्रिया, अभिनय की प्रक्रिया आदि का दस्तावेज़ीकरण भी किया जायेगा जिनमें कलाकारों के साथ प्रशिक्षकों के योगदान को भी प्रमुखता से स्थान प्राप्त होगा।
24. मध्य–पूर्व में अनेक झंझावातों के बाद भी रामायण के प्रसंग प्राप्त होते हैं। साहित्य परम्परा एवं पुरातत्त्व में जो भी सामग्रियाँ प्राप्त होंगी उन्हें प्रामाणिक रूप में प्रस्तुत करने का प्रयास किया जायेगा।
25. यूरोप में रामायण का प्रभाव अत्यन्त विस्तृत एवं प्राचीन है। इटली के एट्रक्शन सभ्यता में रामायण के तत्त्वों का प्राप्त होना हमारे शोध एवं सर्वेक्षण का प्रमुख बिन्दु होगा परन्तु यूरोपीय देशों के भारत आगमन के साथ अनेक यूरोपीय अधिकारियों एवं साहित्यकारों द्वारा रामायण, रामचरितमानस आदि का अनुवाद किया गया है। 17–18वीं शताब्दी के मध्य रामायण एवं रामचरितमानस के अनुवाद के कारण यूरोप के साहित्य जगत में भारत की सांस्कृतिक पृष्ठभूमि अत्यन्त सुस्पष्ट हुई है तथा रामायण अनुवाद के रूप में एवं रामलीलाओं के मंचन के रूप में यूरोप में विस्तारित हुआ है। अनेक विदेश विद्वानों ने रामकथाओं पर शोध–कार्य किये हैं जिनका संकलन भी हमारा उद्देश्य होगा।
26. प्रदेश, देश और विदेश की अनेक कला और संस्कृति की संस्थाएँ, विश्वविद्यालय, संग्रहालय, अभिलेखागार में रामायण एवं उनसे सम्बन्धित कलात्मक वस्तुएँ प्राप्त होती हैं जिन्हें

Book 1.indb 119 01/01/2010 9:40:29

दस्तावेज़ीकृत करना हमारे लिए एक गौरव की बात होगी। अमेरिका और यूरोप के अनेक संग्रहालय प्राचीन भारतीय मूर्ति एवं हस्तशिल्प, चर्मशिल्प, वस्त्रशिल्प आदि को प्रमुख स्थान प्रदान करते हैं। इन संस्थाओं से सम्पर्क कर वहाँ प्रदर्शित वस्तुओं, शिल्पों के साथ उपलब्ध शोध ग्रन्थ, मूल ग्रन्थ, अनूदित ग्रन्थ की जानकारी भी उपलब्ध करायी जायेगी।

27. भारत में इस कार्य के सहयोग हेतु सभी प्रदेश के संस्कृति विभाग एवं उच्च शिक्षा विभाग का सहयोग प्राप्त किया जायेगा।
28. विदेश में भारत के दूतावास एवं उच्चायोग का सहयोग विदेश मन्त्रालय तथा आई.सी.सी.आर. के माध्यम से प्राप्त किया जायेगा।
29. 'इनसायक्लोपीडिया ऑफ़ रामायण' के सभी भारतीय एवं विदेशी भाषाओं में अनुवाद हेतु मानव संसाधन विकास मन्त्रालय, भारत सरकार तथा उच्च शिक्षा विभाग, प्रदेश सरकार का सहयोग भी प्राप्त किया जायेगा।
30. कार्य की दरें एवं स्वरूप भारत सरकार द्वारा शोध–कार्यों हेतु स्वीकृत दरों को मान्य किया जायेगा परन्तु परामर्श समिति तथा अन्य सम्बन्धित समितियों के माध्यम से सम्पादक मण्डल के अनुरोध पर इसमें संशोधन भी किया जा सकेगा।
31. कार्य हेतु 05 वर्षीय योजना सक्षम स्तर से स्वीकृति के बाद होगी। इस सम्बन्ध में प्रथम 02 वर्ष सम्पादक मण्डल का चयन तथा सम्पादक मण्डल के सहयोग से शोधार्थी एवं सर्वेक्षकों का चयन करते हुए प्रदेश, देश एवं विदेश में कार्ययोजना बनायी जायेगी। प्रत्येक प्रदेश में छमाही बैठकें होंगी जिसमें विषयवस्तु पर आधारित गोष्ठी का आयोजन किया जायेगा। तीसरें वर्ष जिन प्रदेशों व देशों की जानकारियाँ प्राप्त हो जायेंगी उनके प्रकाशन का कार्य किया जायेगा। चौथे एवं पाँचवें वर्ष सभी खण्डों में पुस्तक का प्रकाशन किया जायेगा।
32. आय के स्रोत एवं व्यय की व्यवस्था के सम्बन्ध में अयोध्या शोध संस्थान द्वारा केन्द्रीय संस्कृति मन्त्रालय द्वारा नेशनल प्रजेन्स योजना से धनराशि प्राप्त होती है। अब भविष्य में पाँच वर्षों तक इसी कार्य के लिए धनराशि माँगी जायेगी। राज्य सरकार द्वारा अयोध्या के विविध कार्यों हेतु गैर–वेतन मद में रु 30.00 लाख का प्राविधान किया गया है जो राम की विश्व यात्रा के शोध, सर्वेक्षण हेतु ही है। इस धनराशि को भी 'इनसायक्लोपीडिया ऑफ़ रामायण' के शोध कार्य में प्रस्तावित किया जायेगा। संस्कृति निदेशालय में अभिलेखीकरण हेतु भी रु 25.00 लाख का प्राविधान है जिसके उपयोग हेतु शासन से अनुरोध किया जायेगा। इस प्रकार वर्तमान स्थिति में प्रस्तावित कार्य हेतु रु. 30.00 लाख (भारत सरकार) + रु. 30.00 लाख अयोध्या के विविध कार्य (गैर–वेतन मद) + रु. 25.00 लाख अभिलेखीकरण मद से अर्थात कुल रु. 85.00 लाख का प्राविधान प्रस्तावित कार्य के लिए है। यह धनराशि पर्याप्त है।

❐❐❐

Book 1.indb 120 01/01/2010 9:40:31